हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 03 अंक–221 : जौनपुर, बुधवार 08 दिसंबर 2021 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

छुट्टा जानवरों की समस्या से मिलेगा छुटकारा: 10 जिला पंचायतें पकड़ेंगी आवारा पशुओं को

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश सरकार विधानसभा चुनाव से पहले छुट्टा जानवरों की समस्या के समाधान के लिए कवायद तेज कर दी है। इस क्रम में सबसे ज्यादा छुट्टा जानवरों से प्रभावित गोंडा–श्रावस्ती सहित 10 जिलों में नगरीय क्षेत्रों की तरह कार्ययोजना लागू करने का फैसला हुआ है। इसकी जिम्मेदारी जिला पंचायतों को सौंपी जाएगी। यह प्रयोग सफल रहा तो अन्य जिलों में भी नई व्यवस्था को लागू किया जाएगा। प्रदेश में तमाम प्रयास के बावजूद छुट्टा गोवंश चुनौती बने हुए हैं। लगातार फीडबैक मिल रहा है कि छुट्टा गोवंश फसलों को बड़ा नुकसान पहुंचा रहे हैं। खेतों की रखवाली करने वाले किसान व राहगीर छुट्टा जानवरों के शिकार भी हो रहे हैं। पड़ताल में सामने आया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं को पकड़ने की कोई व्यवस्था ही नहीं है। ग्राम पंचायतों के पास पशुओं को पकड़ने के लिए न तो मैनपावर है और न ही संसाधन ही उपलब्ध हैं। बड़ी संख्या में गोवंश आश्रय स्थल बनवाए गए, लेकिन वहां भी केयर टेकर व चौकीदार की व्यवस्था का प्रावधान नहीं किया गया। सूत्रों ने बताया कि कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस समस्या पर चर्चा के बाद कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। पहला, गोंडा, श्रावस्ती, महोबा, चित्रकूट, ललितपुर, झांसी, बांदा, बस्ती, गाजीपुर व उन्नाव में छुट्टा गोवंश पकड़ने की जिम्मेदारी जिला पंचायतों को सौंपने का फैसला हुआ। जिला पंचायतें कैटल कैचर की व्यवस्था कर ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं को पकड़वाने का काम करेंगी। जिला पंचायतें गोवंश पकड़ने के लिए सेवा प्रदाता संस्थाओं को भी लगा सकेंगी। इससे कम समय में अधिक निराश्रित गोवंश को संरक्षित किया जा सकेगा। गो आश्रय स्थल में गोवंश की सुरक्षा के लिए

चौकीदार–केयरटेकर की व्यवस्था पंचायतीराज विभाग करेगा। इसके लिए तत्काल शासनादेश जारी करने को कहा गया है। ये निर्णय भी हुए– ग्राम पंचायत स्तर पर पशुओं का चिह्नीकरण किया जाएगा। चिह्नीकरण के समय पशुओं की आयु, लिंग, पशु स्वामी का नाम, पता व दूरभाष क्रमांक आदि दर्ज किया जाए।– गोवंश को समय से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो, इसके लिए बीमारियों के सामान्य लक्षणों के साथ संबंधित पशु चिकित्साधिकारी के मोबाइल नंबर की वालपेंटिंग कराई जाए।– गो आश्रय स्थलों के गोबर से वैल्यू एडेड प्रोडक्ट तैयार किए जाएंगे।– बीडीओ हर 15 दिन पर बैठक कर निराश्रित गोवंश के भरण–पोषण व संरक्षण संबंधी कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक इंतजाम करें।– गोवंश आश्रय स्थलों में समुचित चारे, दाने की व्यवस्था, ठंड से बचाव के लिए झूलध्अलाव की व्यवस्था, कुत्तों से गोवंश की सुरक्षा, पीने के लिए स्वच्छ पानी की व्यवस्था ग्राम्य विकास, पंचायतीराज व नगर विकास विभाग करेंगे।

शिल्पकला और आधुनिक तकनीक के सामंजस्य का प्रतीक स्वर्वेद महामंदिर : 14 दिसंबर को पीएम का होगा आगमन

वाराणसी ब्यूरो : आध्यात्मिक राजधानी वाराणसी में तैयार हो रहा सबसे बड़ा साधना केंद्र स्वर्वेद महामंदिर शिल्पकला और आधुनिक तकनीक के अद्भुत सामंजस्य का प्रतीक है। विश्वनाथ धाम के साथ ही यह महा मंदिर काशी के धार्मिक व सांस्कृतिक महत्व को और बढ़ाएगा। फिलहाल तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव के लिए दुनिया भर के जिज्ञासु 10 दिसंबर के बाद से जुटने लगेंगे। विहंगम योग के जरिये नशा मुक्ति की राह प्रशस्त करने वाले आध्यात्मिक अभियान में हर वर्ष लाखों लोग जुड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 दिसंबर को महा मंदिर परिसर में आयोजित वार्षिकोत्सव में हिस्सा लेंगे। इस दौरान दो लाख से ज्यादा जिज्ञासुओं के शामिल होने की उम्मीद है। 180 फीट ऊंचाई के सप्त तलीय महामंदिर परिसर में 100 फीट ऊंची सद् गुरुदेव की सैंड स्टोन की प्रतिमा भी स्थापित होगी।स्वर्वेद महामंदिर धाम में मई 2017 में 21 हजार कुंडीय स्वर्वेद उत्तरार्द्ध ज्ञान महायज्ञ हुआ था। उस वक्त इसे इतिहास के सबसे विशालतम यज्ञ की संज्ञा भी दी गई थी। अब महामंदिर बनकर तैयार होने वाला है और यहां आने वाले श्रद्धालुओं का वर्षों पुराना सपना पूरा हो रहा है। वास्तुशिल्प का अद्भुत उदाहरण और 64 हजार वर्ग फीट में बन रहे सात मंजिला महामंदिर का निर्माण करीब 18 साल पहले शुरू हुआ था। अब स्वर्वेद के दोहे मंदिर में अंकित किए जा रहे हैं। मुख्य गुंबद 125 पंखुड़ियों के विशालकाय कमल पुष्प की तरह है। गुजरात में जीआरसी तकनीक द्वारा बनाए जा रहे नौ गुंबद नौ कमलों की तरह होगा। मंदिर से जुड़े संतों ने बताया कि तीन लाख वर्ग फीट में गुलाबी पत्थरों की नक्काशी के लिए 350 से ज्यादा शिल्पी जुटे हैं। प्राचीन स्थापत्य कला के समन्वय से बन रहे इस दिव्य आध्यात्मिक केंद्र की एक झलक पाने के लिए दुनिया के अनुयायी उत्सुक हैं। दीवारों पर अंकित होंगे स्वर्वेद के दोहे। महामंदिर में मकराना पत्थर पर स्वर्वेद के दोहे अंकित होंगे। 50 हजार वर्ग फीट पर वाटर जेट तकनीक से पांच हजार दोहे उत्कीर्ण हो रहे हैं। महामंदिर को खूबसूरत बनाने के साथ ही वास्तुशिल्प का भी पूरा ध्यान रखा गया है। पूर्व दिशा में प्रवाहित नहर जल राशि के रूप में स्थापित है।

पुलिस ने मुठभेड़ में महिला समेत तीन तस्कर दबोचे : एक करोड़ की कीमत के मादक पदार्थ बरामद

सहारनपुर ब्यूरो : उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एसओजी और थाना सरसावा पुलिस ने महिला सहित मादक पदार्थों के तीन तस्करों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है, जबकि दो आरोपी मौके से फरार हो गए। आरोपियों से 566 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। आरोपी बरेली के रहने वाले हैं। पुलिस का दावा है कि बरामद स्मैक कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक करोड़ रुपये है। एसएसपी आकाश तोमर ने बताया कि थाना सरसावा क्षेत्र के गांव झबीरण के समीप थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह व एसओजी प्रभारी जयवीर सिंह मंगलवार की रात वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। उसी समय एक टाटा जैस्ट कार में कुछ लोग दिखाई दिए, जो पुलिस को देखकर गाड़ी को तेजी से दौड़ाने लगे। पीछा करने के बाद टीम ने आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों की कार के टायर में गोली मारी, जिससे भागने में असफल रहे। बरामद स्मैक कीमत एक करोड़ रुपये। पुलिस ने घेराबंदी कर आसिफ पुत्र जमील अहमद निवासी गांव खैलम थाना अलीगंज, फिरोज अहमद पुत्र अब्दुल गनी मोहल्ला सैदपुरा थाना इज्जतनगर, नाजमा पत्नी बबलू

निवासी गांव खायनम थाना अलीगंज को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से दो तमंचे, चार कारतूस, 566 ग्राम स्मैक, दो मोबाइल फोन, एक टाटा जैस्ट कार बरामद हुई है। मौके से आरोपियों के साथी अरविंद व अंकित निवासी गांव झबीरण थाना सरसावा भागने में सफल रहे। एसएसपी का दावा है कि बरामद स्मैक कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक करोड़ रुपये है। पश्चिमी यूपी, हरियाणा, पंजाब व उत्तराखंड़ करते थे सप्लाई। आरोपी पश्चिमी, हरियाणा, पंजाब व उत्तराखंड़ में मादक पदार्थों की तस्करी करते थे। पकड़े गए आरोपी लंबे समय से इस धंधे में लिप्त थे। पुलिस ने पहले भी कई तस्कर पकड़े हैं, जो बरेली से मादक पदार्थों लाने की बात स्वीकार कर चुके हैं, लेकिन बरेली के नेटवर्क को पुलिस नहीं तोड़ पा रही थी। इस बार पुलिस के हत्थे बरेली के मुख्य तस्कर भी चढ़ गए।

ग्राम पंचायत के रिक्त पदों पर निर्वाचन सम्पन्न कराये जाने हेतु कार्यक्रम घोषित : जिला निर्वाचन अधिकारी

जौनपुर सू.वि. : जिला निर्वाचन अधिकारी ने अवगत कराया है कि राज्य निर्वाचन आयोग, उ०प्र० लखनऊ के अधिसूचना दिनांक 06 दिसम्बर 2021 द्वारा पंचायत उप निर्वाचन माह दिसम्बर 2021 हेतु प्रधान ग्राम पंचायत एवं सदस्य ग्राम पंचायत के रिक्त पदों पर निर्वाचन सम्पन्न कराये जाने हेतु कार्यक्रम घोषित किया गया है। उक्त उप निर्वाचन को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु जनपद जौनपुर के क्षेत्र पंचायत सदस्यों और प्रधानों का निर्वाचन नियमावली 1994 के नियम 4 तथा नियम–5 तथा उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत (सदस्यों का निर्वाचन) नियमावली–1994 के नियम–5 तथा नियम–6 में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए अधिकारियों को सदस्य ग्राम पंचायत तथा प्रधान ग्राम पंचायत के रिक्त पदों के उप निर्वाचन माह दिसम्बर 2021 हेतु विकास खण्ड के लिए निर्वाचन अधिकारीध्सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। विकास खण्ड करंजाकला में निर्वाचन अधिकारी जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी सुरेश कुमार मौर्य, सहायक निर्वाचन अधिकारी के रूप में सहायक विकास अधिकारी (आईएसबी) करंजाकला प्रदीप कुमार मौर्य, विकास खण्ड सिरकोनी हेतु निर्वाचन अधिकारी जिला अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी कमलेश कुमार मौर्य, सहायक निर्वाचन अधिकारी सहायक विकास अधिकारी सिरकोनी नरेश कुमार, विकास खण्ड मुफ्तीगंज में जिला कार्यक्रम अधिकारी रामबदन सिंह, सहायक निर्वाचन अधिकारी प्रभारी स0वि0अ0 प्रमोद कुमार सिंह, विकास खण्ड डोभी में जिला समाज कल्याण अधिकारी सुनील कुमार सिंह, सहायक निर्वाचन अधिकारी स0वि0अ0 राजेश कुमार सिंह, विकास खण्ड मड़ियाहूँ में निर्वाचन अधिकारी जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार, सहायक निर्वाचन अधिकारी स0वि0अ0 विपिन कुमार यादव, विकास खण्ड रामपुर में सहायक अभियंता लोनिवि प्रा0खण्ड ज्ञान सिंह यादव, सहायक निर्वाचन अधिकारी स0वि0अ0 कृषि रामपुर श्रवण कुमार उपाध्याय, विकास खण्ड रामनगर में निर्वाचन अधिकारी सहायक अभियंता लघु डाल नहर सर्वेश पटेल, सहायक निर्वाचन अधिकारी स0वि0अ0 कषि रामनगर अजीत कुमार सिंह, विकास खण्ड मछलीशहर में निर्वाचन अधिकारी सहायक अभियंता लोनिवि नि0खण्ड अजीत सोनकर, सहायक निर्वाचन अधिकारी अवर अभियंता ल0सिं0 मछलीशहर सत्य प्रकाश पटेल, विकास खण्ड सुईथाकला में निर्वाचन अधिकारी सहायक अभियंता शारदा सहायक खण्ड–36 मनोज कुमार, सहायक निर्वाचन अधिकारी प्रभारी स0वि0अ0 (आईएसबी) सुईथाकला सुरेन्द्र नाथ को तैनता किया गया है।

शहीद संजय फाउंडेशन के सहयोग से शहीद स्तम्भ पर फहराया गया राष्ट्रिय ध्वज

जौनपर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : चाहे राष्ट्रीय कार्यक्रम हो या सार्वजनिक कार्यक्रम हो या फिर सरकार के द्वारा चलायीं जा रही महत्वाकांक्षी योजनाओं का प्रचार प्रसार व गरीब असहाय परिवार की हर सम्भव मदद करना हो शहीद संजय फाउंडेशन के द्वारा बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया जाता हैं। एक दिसंबर को देश की उपासना अखबार में शहीद स्तम्भ सेनापुर में फटा रास्ट्रीय ध्वज फहरने की खबर को प्रकाशित किया जिसे पढ़कर हर किसी के मन मे एक ही सवाल आ रहा था कि आखिर आजाद भारत मे शहीद स्तम्भो व राष्ट्रीय ध्वज का अपमान कब तक होता रहेगा? खबर का असर भी हुआ शाम होते होते फटा ध्वज को शहीद स्तम्भ से उतार दिया गया व पहले से रखा हुआ पुराना ध्वज अगली सुबह फहरा दिया गया!फटे हुए ध्वज की खबर अखबार के माध्यम से जब शहीद संजय फाउंडेशन के संस्थापक सुधीर सिंह (जो इस समय लद्दाख में देश के सेवा कर रहे) को हुई तो तत्काल दिल्ली पहुँचकर दस फुट चौड़ा व पंद्रह फुट लम्बा राष्ट्रीय ध्वज हवाईजहाज से अपने पैतृक आवास भौरा भेजवा कर सरकी चौकी प्रभारी व ग्राम प्रधान अरविंद चौहान को नए ध्वज को शहीद स्तम्भ पर लगाने की बात को बताई !बुधवार की सुबह करीब 11 बजे शहीद के पिता श्यामनारायन सिंह के द्वारा शहीद स्तम्भ पर ध्वजारोहण किया गया चौकी प्रभारी विवेकानंद सिंह यादव,विजय प्रताप सिंह व तेजबहादुर सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी! साथ ही राष्ट्रीय गान के बाद बंदेमातरम की गूंज से गूंज उठा सेनापुर गॉव !शहीद संजय फाउंडेशन की इस नेक पहल की क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है!उपस्थित पूर्व ग्राम प्रधान रमेश कुमार ने अपने हाथों से शहीद के पिता श्यामनारायन सिंह का मुह मीठा कराते हुए शहीद संजय फाउंडेशन का दिल से आभार प्रकट करते हुए बताया कि आज हमारे गॉव को जो गौरवान्वित करने का अवसर मिला है उसे ग्रामवासियों सहित क्षेत्रवासियों को गर्व है बता दे कि सेनापुर शहीद स्मारक 1857 में शहीद हुए क्रांतिकारियों की याद में बनाया गया है!इस अवसर पर बासु सिंह,जयप्रकाश सिंह,सुरेंद्र कुमार,शिवकुमार व जूनियर शिवांश सिंह के साथ अन्य ग्रामीण मौजूद रहे!

कपूरथला में सर्राफा व्यापारी के यहां दिनदहाड़े दुस्साहसिक तरीके से लूट और गोली कांड से राजधानी के व्यापारियों में आक्रोश

आर एल पाण्डेय लखनऊ। राजधानी के ट्रांस गोमती क्षेत्र की प्रमुख बाजार कपूरथला में दिनदहाड़े सर्राफा व्यापारी निखिल अग्रवाल की श्री तिरुपति जेम्स एंड ज्वैल्स प्राइवेट लिमिटेड के वहां सोने के आभूषणों की दुस्साहसिक तरीके से हुई लूट और कर्मचारी को गोली मारकर घायल किए जाने की घटना की जानकारी पाकर राजधानी के व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त हो गया दिनदहाड़े हुई लूट कांड एवं गोलीकांड की घटना की जानकारी पाकर उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता कपूरथला मार्केट के व्यापारियों एवं पदाधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने दिनदहाड़े सर्राफा व्यापारी के वहां दुस्साहसिक तरीके से हुई लूट और गोली कांड पर आक्रोश जताते हुए पुलिस प्रशासन को 72 घंटे में अपराधियों को पकड़ने तथा माल बरामद करने की मांग की तथा 72 घंटे का व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन को अल्टीमेटम दिया। व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने कहा यदि 72 घंटे में अपराधी नहीं पकड़े गए एवं माल की बरामदगी नहीं हुई तो उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल सड़कों पर उतरने को बाध्य होगा संजय गुप्ता ने कहा इस घटना से व्यापारियों में असुरक्षा की

भावना व्याप्त हो गई है उन्होंने कहा राजधानी में दिनदहाड़े ऐसी घटना चिंता का विषय है व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने सर्राफा व्यापारियों की सुरक्षा के विशेष प्रबंध करने की मांग की। मौके पर व्यापारी नेता संजय गुप्ता के साथ पहुंचने वाले पदाधिकारियों व्यापारियों में ट्रांस गोमती के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ब्रह्म बखश अवस्थी, ट्रांस गोमती वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुदर्शन कटियार राजीव रस्तोगी, संजय गुप्ता ,आदित्य अग्रवाल, सुधीर पुंडीर ,नीरज गुप्ता आदि थे।

मुख्य आरक्षी की अचानक तबीयत बिगड़ी : अस्पताल ले जाते समय मौत

भदोही ब्यूरो : भदोही के जिला जेल से कुछ बंदियों को न्यायालय पेशी पर ले जाने के लिए पहुंचे एक मुख्य आरक्षी की बुधवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल ले जाते समय उन्होंने दम तोड़ दिया। मौत की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हलचल मच गई। वह बलिया जिले के सिकंदरपुर थाना क्षेत्र स्थित सिकिया गांव का निवासी था। शैलेंद्र सिंह(32) की तैनाती ज्ञानपुर में ही थी। हर दिन की तरह बुधवार सुबह करीब सवा दस बजे जिला जेल पहुंचे और बंदियों को पेशी पर ले जाने के लिए बाहर निकाल रहे थे। तभी अचानक तबीयत बिगड़ी और तड़पने लगे। देखते ही देखते वहीं जमीन पर बैठ गए। जब तक साथी सिपाही कुछ समझ पाते तब तक लेट गए। आनन–फानन महाराज चेत सिंह जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सीओ एके सिंह ने बताया कि परिवार के लोगों को सूचना दे दी गई है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dkulive चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

गुमनाम सेनानियों को याद करना हमारा कर्तव्य –ओम प्रकाश

जौनपुर सुजानगंज (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, भिखारीपुरकला, जौनपुर में आजादी के अमृत महोत्सव पर एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में दैनिक जागरण के वरिष्ठ पत्रकार श्याम शंकर पांडे ने स्वाधीनता संघर्ष में सुजानगंज की भूमिका विषय पर विचार रखते हुए कहा कि स्वतंत्रता के आंदोलन में सुजानगंज क्षेत्र की महती भूमिका रही है ।100

से अधिक क्रांतिकारियों ने आंदोलन में सहभागिता कर देश को आजाद कराने में अपनी भूमिका दी। सुजानगंज थाना क्रांतिकारियों द्वारा 1942 में फूक दिया गया और शस्त्रागार को लूट लिया गया। एसपी के आदेश के बावजूद भी थानाध्यक्ष ने स्वयं को गोली मारकर शहीद हो गए । लेकिन क्रांतिकारियों पर गोली नहीं चलाई। कार्यक्रम का आयोजन मां सरस्वती के साथ–साथ वीर शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते आरंभ किया गया। कार्यक्रम में भारत माता की आरती भी की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मछली शहर जिला के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक ओम प्रकाश ने स्वाधीनता समर के गुमनाम सेनानियों पर अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अट्ठारह सौ सत्तावन से पूर्व हुए स्वतंत्रता संग्राम के बारे में विस्तार से प्रकाश डालते हुए तत्कालीन अनेकों बलिदानियों के नाम की चर्चा की एवं उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए छात्रों से आह्वान किया कि हमें देश के लिए बलिदान होने की जरूरत पड़े तो खड़े रहना चाहिए। हमें उन क्रांतिकारियों से प्रेरणा लेनी चाहिए ।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री गौरीशंकर संस्कृत महाविद्यालय सुजानगंज के प्राचार्य डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 अवधेश कुमार श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की छात्रा प्रीति तिवारी एवं श्रद्धा जायसवाल ने किया। इस अवसर पर लाल उपाध्याय, डॉ विजय कुमार सिंह, डॉक्टर शारदा प्रसाद सिंह, डॉक्टर संतोष कुमार उपाध्याय, जितेंद्र सिंह, मो0 गफ्फार , अभिषेक आदि शिक्षकों के साथ छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

कोहरे ने बढ़ाई परेशानी हवा हुई साफ : ग्रामीण इलाकों में बढ़ी गलन

वाराणसी ब्यूरो : ठंड बढ़ने के साथ कोहरा भी अपना प्रभाव दिखा रहा है। शाम ढलते ही गलन बढ़ जाती है। सुबह के समय कोहरा रहता है। इससे लोगों की मुश्किलें कुछ देर तक बढ़ जाती हैं। सबसे ज्यादा राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ती है। बुधवार को अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

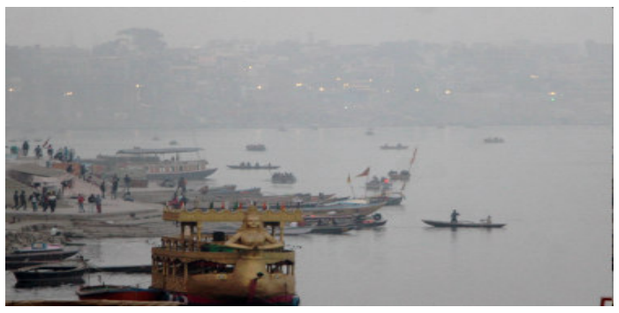

मंगलवार को सुबह कोहरा छाया रहा। शहर के बाहरी इलाकों में राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। चालक वाहनों के लाइट जलाकर चलते नजर आए। लोगों को गंतव्य तक पहुंचने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। सुबह आठ बजे के बाद सूरज की किरणें धरती पर आने के बाद स्थिति सामान्य हुई। हालांकि सर्द हवा के कारण लोग ठंड से ठिठुरते दिखे। मौसम में रोज बदलाव देखने को मिल रहा है। शाम होते ही ठंड बढ़ जा रही है। वहीं सुबह घने कोहरे के कारण आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 27.2 और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री रहा। आने वाले दिनों में दिन और रात के तापमान में और गिरावट हो सकती है। हवा की गुणवत्ता में भी सुधार आया है। एक्यूआई (हवा की गुणवत्ता सूचकांक) वाराणसी के इलाकों में 80–100 के बीच पहुंच गया है, जो दिखाता है, कि पिछले दिनों के मुकाबले हवा साफ हुई है।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

भूल होना प्रकृति है, मान लेना संस्कृति है, सुधार लेना प्रगति है–

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

सियासी बिसात : कांग्रेस के पास विकल्प क्या है

कांग्रेस के सामने एक उपाय तो यह है कि वह ममता बनर्जी को मोदी के खिलाफ विपक्ष के नेता के रूप में स्वीकार कर ले, क्योंकि राहुल गांधी को क्षेत्रीय पार्टियां अपने नेता के रूप में स्वीकार नहीं करेंगी। अगर 2024 में कांग्रेस को 150 से 170 तक सीटें आती हैं, तभी राहुल गांधी स्वीकार्य हो सकते हैं।

इन दिनों संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है, लेकिन राजनीतिक तापमान बढ़ा हुआ है। मानसून सत्र के दौरान हुए हंगामे और अनुशासनहीनता के आरोप में राज्यसभा के 12 विपक्षी सांसदों को निलंबित करने के खिलाफ लगभग समूचा विपक्ष एकजुट होकर विरोध कर रहा है। ऐसा बहुत कम होता है कि पिछले सत्र के हंगामे और कथित अनुशासनहीनता के खिलाफ अगले सत्र में सांसदों को निलंबित किया जाए।

विपक्ष ने इस फैसले की निंदा करते हुए सांसदों के निलंबन को अलोकतांत्रिक बताया है। प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस इसमें प्रमुख भूमिका निभा रही है। तीनों कृषि कानूनों को भी बिना बहस के रद्द करने के खिलाफ भी कांग्रेस मुखर रही और किसान आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों की मौत के मुआवजे की मांग की। कृषि कानूनों को रद्द करने का प्रधानमंत्री का फैसला वाकई अच्छा कदम है, लेकिन संसद चल रही हो और बहस ही न हो, तो फिर उसका क्या मतलब है!

लेकिन एक सोची–समझी रणनीति के तहत तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी खुद को कांग्रेस से अलग दिखाना चाहती हैं और उन्होंने कांग्रेस के सामने एक बड़ी चुनौती पेश कर दी है। एक तो वह हर जगह कांग्रेस के लोगों को तोड़कर अपनी पार्टी में शामिल कर रही हैं। मेघालय में तो तकरीबन पूरी पार्टी को ही तृणमूल कांग्रेस ने अपने में मिला लिया। मोटे तौर पर ममता ने साफ भी कर दिया है कि वह क्षेत्रीय दलों को तोड़ने का काम नहीं करेंगी, बल्कि जहां कांग्रेस भाजपा के खिलाफ लड़ नहीं पा रही है, वहां वह कांग्रेसी नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करेंगी।

इस तरह से स्पष्ट है कि कांग्रेस उनके निशाने पर है। दरअसल ममता बनर्जी चाहती हैं कि कांग्रेस की जगह ली जाए। लेकिन यह भी स्पष्ट है कि कांग्रेस के बिना 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष में एकजुटता नहीं हो सकती है। ऐसे में वह चाहेंगी कि कांग्रेस से ज्यादा मजबूत हो जाएं और तब कांग्रेस के साथ सौदेबाजी करें। लेकिन उन्होंने जो कांग्रेस पर प्रहार किया है, वह काफी तीखा है। यह कहना कि कांग्रेस डीप फ्रीज की स्थिति में है, का तात्पर्य है कि कांग्रेस भाजपा के खिलाफ कुछ कर ही नहीं पा रही है।

हालांकि ममता की इस तीखी आलोचना में कुछ तथ्य भी हैं। सात साल हो गए हैं, लेकिन देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कुछ नहीं कर रही है और ढाई साल से पार्टी के पास अध्यक्ष नहीं है। लेकिन सब आराम से बैठे हुए हैं। ऐसे में वह भाजपा को कैसे टक्कर दे पाएगी? यानी कांग्रेस में इच्छाशक्ति की भारी कमी है। उत्तर प्रदेश में तो कई साल हो गए हैं, कांग्रेस की सरकार ही नहीं बनी है। जुलाई, 2013 में भाजपा ने अमित शाह को उत्तर प्रदेश का प्रभार सौंपा था और मई, 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा को 71 सीटों पर जीत दिलाई, जबकि पार्टी के पास राज्य में मात्र दस लोकसभा सीटें थीं।

उस समय भाजपा सत्ता में नहीं थी, केंद्र में यूपीए की सरकार थी। लेकिन इच्छाशक्ति और जुझारूपन के साथ अंमित शाह ने मात्र दस–ग्यारह महीने में न केवल पार्टी को खड़ा कर दिया, बल्कि भारी सफलता भी दिलाई। वह चीज कांग्रेस में नहीं है। ममता ने राहुल गांधी पर यह कहते हुए प्रहार किया कि बार–बार विदेश जाकर पार्टी को पुनर्जीवित नहीं किया जा सकता। दूसरी तरफ प्रशांत किशोर ने भी कहा कि आपके पास कोई दिव्य अधिकार नहीं है कि आप विपक्ष का नेतृत्व करेंगे। कहने का मतलब कि ममता अब खुलकर खुद को विपक्ष के नेतृत्व की भूमिका के लिए पेश कर रही हैं। ऐसे में, कांग्रेस के पास क्या विकल्प बचा है?

कांग्रेस के सामने एक उपाय तो यह है कि वह ममता बनर्जी को मोदी के खिलाफ विपक्ष के नेता के रूप में स्वीकार कर ले, क्योंकि राहुल गांधी को क्षेत्रीय पार्टियां अपने नेता के रूप में स्वीकार नहीं करेंगी। अगर 2024 में कांग्रेस को 150 से 170 तक सीटें आती हैं, तभी राहुल गांधी स्वीकार्य हो सकते हैं। लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ, तो क्या क्षेत्रीय दलों की मांग पर कांग्रेस राहुल के बजाय पार्टी के किसी अन्य नेता को आगे करेगी?

सोनिया गांधी के लिए पार्टी के भीतर राहुल के खिलाफ किसी दूसरे नेता को आगे करने से बेहतर होगा कि वह ममता बनर्जी को ही नेता मान लें। पर समस्या यह भी है कि सोनिया यदि आज ममता बनर्जी को नेता मान लेती हैं, तो कांग्रेस के नेता और भी ठंडे पड़ जाएंगे। ऐसे में कांग्रेस का जो आक्रामक रूप और रवैया होना चाहिए, उस पर असर पड़ेगा। अगर वर्ष 2024 में चुनाव से पहले या चुनाव के बाद ममता को नेता स्वीकार करें, तो यह एक अलग बात होगी।

जो असली उपाय है कांग्रेस के पास, वह है खुद को मजबूत बनाना और अपना विस्तार करना, जैसे कि अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी करने की कोशिश कर रही हैं। कांग्रेस 135 साल पुरानी पार्टी है, अब भी इसके पास बहुत लोग हैं, इसलिए ऐसा वह भी कर सकती है। लेकिन पार्टी के नेता बहुत निराश हो रहे हैं। जैसे गुलाम नबी आजाद ने खुलेआम कहा कि 2024 में कांग्रेस को 300 से अधिक सीटें आती नहीं दिख रही हैं, इसका मतलब है कि उन्हें कोई रास्ता दिख ही नहीं रहा है।

इसलिए यह जरूरी है कि कांग्रेस पहले खुद को मजबूत करे, सड़कों पर उतरे, लोगों के बीच जाए, मुद्दों को उठाए, लेकिन इसका उल्टा ही दिख रहा है। राहुल गांधी ट्वीट करके भाजपा पर तीखा हमला बोलते हैं, लेकिन उस ट्वीट से पार्टी तो खड़ी नहीं होगी। लगता है, उन्होंने यह मान लिया है कि कांग्रेस पर से वे अपना नियंत्रण नहीं जाने देंगे और भाजपा से नाराज होकर जनता एक दिन उन्हें मौका देगी। भले गांधी परिवार पार्टी पर अपना नियंत्रण बनाए रखे, लेकिन किसी भरोसेमंद, अनुभवी नेता को कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में ले आए।

लेकिन लगता है कि किसी पर भरोसा ही नहीं बचा है। यह ठीक है कि गांधी परिवार के बिना कांग्रेस नहीं चल सकती, क्योंकि तब पार्टी के टूटने का खतरा पैदा हो जाएगा। लेकिन गांधी परिवार की मर्जी से किसी को नेता बनाया जा सकता है और उसे स्वतंत्र रूप से काम करने दिया जाए, तो पार्टी फिर से खड़ी हो सकती है। अगर किसान राजनीति में नई ऊर्जा ला सकते हैं, तो कांग्रेस क्यों नहीं कर सकती? सड़कों पर उतरने के लिए भीतर आग होनी चाहिए, लड़ने का जुझारूपन चाहिए, जिसकी फिलहाल कांग्रेस में कमी दिखती है। कुल मिलाकर कांग्रेस के पास यही विकल्प है कि वह पहले खुद को मजबूत करे और आगे जाकर ममता को नेता के रूप में स्वीकार करे। आज ममता को नेता मानने से कांग्रेस के लिए मुश्किल खड़ी हो जाएगी।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

जिसने जीता दिल उसने जीती काशी : पर बाकी जिलों की काशी जैसी नहीं रही किस्मत

लखनऊ ब्यूरो : जिसने काशी का दिल जीता, काशी उसी की हो गई। बाबा विश्वनाथ की नगरी ऐसी ही निराली है। 'मुझे तो मां गंगा ने बुलाया है', प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस बयान पर काशी फिदा हो गई थी। काशी के घाटों पर उनके फावड़ा लेकर उतरने का दृश्य तो याद ही होगा। काशी को क्योटो बनाने के दावे के साथ यहां से सांसद बने पीएम नरेंद्र मोदी के कई काम अब सुर्खियों में हैं। वाराणसी और उसके आसपास सड़कों का जाल फैला हुआ है। फ्लाईओवर भी राह आसान कर रहे हैं। तो वहीं, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर देश ही नहीं दुनिया में चर्चा का विषय है। इन सबके साथ अगर चुनावी परिदृश्य की बात करें तो काशी जितनी सरल है... | सहज है... | यहां का चुनावी मैदान उतना सरल और सहज नहीं है। यह सबका इम्तिहान लेती है। अब बात यहां के सियासी मिजाज की। राम जन्मभूमि आंदोलन ने प्रदेश और देश के अन्य भागों की तरह इस नगरी के भी राजनीतिक मिजाज को बदला। पर, इसकी रफ्तार बढ़ी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी से लोकसभा चुनाव लड़ने और इसे केंद्र बनाकर पूर्वांचल के विकास पर फोकस करने की रणनीति से। इसी का नतीजा रहा कि 2017 के विधानसभा चुनाव में वाराणसी जिले की आठ सीटें भाजपा व उसके सहयोगियों ने जीत लीं। मंडल की 18 सीटों पर भाजपा। मंडल की बात करें तो यहां विधानसभा की 28 सीटें हैं। इनमें से 16 पर भाजपा का परचम फहरा रहा है तो दो सीटों पर उसके सहयोगी अपना दल (एस) का। भाजपा के पास वाराणसी जिले की 6, जौनपुर जिले की 4, गाजीपुर जिले की तीन और चंदौली की तीन सीटें हैं। जबकि वाराणसी की सेवापुरी और जौनपुर की मड़ियाहूं सीट सहयोगी अपना दल (एस) के पास है। गाजीपुर की दो और वाराणसी की एक सीट पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) का कब्जा है। वहीं, जौनपुर की तीन, गाजीपुर की दो और चंदौली की एक सीट मिलाकर सपा के पास कुल 6 सीटें हैं और बसपा के पास सिर्फ मुंगरा बादशाहपुर की एक सीट है। सीटों के गणित से साफ है कि भाजपा और सपा के सामने अपनी सफलता को और विस्तार देने की चुनौती है। तो वहीं, बसपा और कांग्रेस के पास यहां कामयाबी की इबारत लिखने के मौके हैं। नहीं बसाया जा सका उपनगरः नई काशी बसाने का प्रयास तो हुआ पर... सियासी मिजाज के बाद अब चर्चा उन चुनावी मुद्दों की जो सबका इम्तिहान लेंगे। चुनावी चर्चा छिड़ते ही लंका निवासी श्रीराम सिंह पप्पू कहते हैं, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक पर्यटन के लिए वाराणसी में हर साल लाखों लोग आते हैं। पर, शहर के विस्तार का खाका नहीं खींचा गया। एक बार नई काशी बसाने का प्रयास तो हुआ, लेकिन सियासी लोगों ने रोड़ा अटका दिया। पर, इसको लेकर चुनाव में सवाल तो उठेंगे ही। उपनगर बसाने का प्रयास तो होना ही चाहिए। काम तो हुए...जाम अब भी समस्या। वाराणसी के लोहता के रहने वाले असद कमाल लारी कहते हैं, विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर और कैंसर के इलाज के लिए भाभा ग्रुप से मिलकर बीएचयू में कैंसर अस्पताल खोलने जैसे उल्लेखनीय काम हुए हैं। पर, यातायात व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ। आज भी लोगों को घंटों जाम से जूझना पड़ रहा है। बुनकरों की समस्या, शहरी क्षेत्र की खराब सड़कें, प्रदूषित पेयजल जैसे मुद्दे जनप्रतिनिधियों का इम्तिहान लेंगे। अधूरी ही रह गई विकास की आस। जिले के सियासी मिजाज की बात करें तो शुरुआत में यहां के लोगों का कांग्रेस पर विश्वास रहा लेकिन बाद में भाकपा का प्रभाव बढ़ा। सरजू पांडेय और रघुबीर राम सरीखे नेताओं की वजह से यहां भाकपा जीतती रही। भाकपा से ही राजनीति की शुरुआत करने वाले अफजाल अंसारी व मुख्तार के परिवार के लोग भी कई बार चुने गए। भाजपा से मनोज सिन्हा, कृष्णानंद राय और सपा से ओमप्रकाश सिंह सरीखे नेताओं ने भी अपनी–अपनी पार्टियों का रसूख बढ़ाया। बहरहाल, सैदपुर से विधायक सुभास पासी अब भाजपा में शामिल हो चुके हैं। रेवतीपुर निवासी राजकमल राय बताते हैं, संसद में पूर्वांचल की गरीबी और गोबर से अनाज निकालकर खाने का मुद्दा उठाकर तहलका मचाने वाले विश्वनाथ गहमरी समेत तमाम बड़े नेता यहां हुए, लेकिन जिले का विकास आज भी बड़ा मुद्दा है। नंदगंज चीनी मिल और बहादुरपुर की कताई मिल भी बंद पड़ी है। वादे तो बहुत हुए, जमीन पर नहीं उतरे। बसपा सरकार में 1997 में वाराणसी को बांटकर चंदौली जिला बना। जिला बनने के करीब 20 साल बाद यहां जिला मुख्यालय का भवन बना। पर, पुलिस लाइन और एसपी कार्यालय आज तक नहीं है। राजदरी व देवदरी जैसे जल प्रपात और नौगढ़ होने के बाद भी इसका पर्यटन केंद्र के रूप में विकास नहीं हो सका। अलबत्ता भाजपा सरकार ने जिले बरठी में एक मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास करके जनता में आस जरूर जगाई है। पेशे से चिकित्सक डॉ. धनंजय सिंह कहते हैं, कोई गंभीर बीमारी होने पर आज भी लोगों को वाराणसी भागना पड़ता है। गंगा की कटान से होने वाली समस्या, सिंचाई सुविधाओं का अभाव भी प्रमुख मुद्दे हैं। बिहार बॉर्डर से सटे होने के बाद भी यहां की सड़कों की हालत बदतर है। नाम के लिए सिर्फ एक विश्वविद्यालय। लंबे समय तक इस जिले में कांग्रेस का दबदबा रहा। बाद में सपा और बसपा को भी भरपूर मौका मिला। बहरहाल, अब राजनीतिक हालात बदल गए हैं। बसपा से चुनाव जीतने वाली मौजूदा विधायक सुषमा पटेल सपा में शामिल हो चुकी हैं। समाज सेवा से जुड़े नहोरा निवासी राम प्रकाश कहते हैं कि आजादी के बाद सिर्फ वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ही एक ऐसी उपलब्धि है, जिसका नाम लिया जा सकता है। औद्योगिक विकास में भी इस जिले की अनदेखी हुई। सतहरिया औद्योगिक क्षेत्र बदहाल हो चुका है। अधिकांश कल–कारखाने बंद हो चुके हैं। हर चुनाव में नदियों पर पुल बनाने का वादा होता है, पर पूरा नहीं होता। यह सब चुनावी मुद्दे बनेंगे। सीटों का गणितः वाराणसी (कुल 8 सीटें) वाराणसी कैंट : भाजपा के सौरभ श्रीवास्तव विधायक हैं। जातिगत समीकरण : ब्राह्मण करीब 70 हजार, मुस्लिम 60 हजार, अनुसूचित जातियां 30 हजार, यादव 20 हजार, वैश्य व कायस्थ 15–15 हजार, क्षत्रिय व भूमिहार 10–10 हजार। शहर उत्तरी : राज्यमंत्री रवींद्र जायसवाल इस सीट से लगातार दूसरी बार विधायक हैं। जातिगत समीकरण : क्षत्रिय व मुस्लिम करीब 70–70 हजार, वैश्य 40 हजार, यादव 30 हजार, कायस्थ, पटेल व अनुसूचित जातियां 15–15 हजार, ब्राह्मण, सोनकर व राजभर 20–20 हजार। शहर दक्षिणी : पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नीलकंठ तिवारी इस सीट से विधायक हैं। जातिगत समीकरण : मुस्लिम करीब 1 लाख, ब्राह्मण 25 हजार, यादव व अनुसूचित जातियां 20–20 हजार, वैश्य 15 हजार, अन्य जातियों के साथ ही गुजराती भी 10 हजार। रोहनिया : भाजपा के सुरेंद्र नारायण सिंह विधायक हैं। जातिगत समीकरण : पटेल करीब 70 हजार, राजभर 40 हजार, अनुसूचित जातियां 30 हजार, भूमिहार 25 हजार, मुस्लिम 22 हजार, मौर्य व यादव 20–20 हजार, ब्राह्मण 5 हजार। सेवापुरी : अपना दल से नीलरतन पटेल विधायक हैं। जातिगत समीकरण : भूमिहार करीब 35 हजार, ब्राह्मण व अनुसूचित जातियां 30–30 हजार, यादव व मुस्लिम 25–25 हजार, क्षत्रिय व राजभर 20–20 हजार, बिंद 10 हजार। शिवपुर : पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण मंत्री अनिल राजभर विधायक हैं। जातिगत समीकरण : यादव व अनुसूचित जातियां करीब 60–60 हजार, राजभर–40 हजार, ब्राह्मण 32 हजार, वैश्य, मौर्य, पटेल व मुस्लिम 25–25 हजार, क्षत्रिय व निषाद 15–15 हजार। पिंडरा : भाजपा के अवधेश सिंह विधायक हैं। जातिगत समीकरण : पटेल करीब 80 हजार, ब्राह्मण 60 हजार, अनुसूचित जातियां 50 हजार, भूमिहार 30 हजार, राजभर व मौर्य 25–25 हजार, वैश्य व मुस्लिम 20–20 हजार। अजगरा (सुरक्षित) : सुभासपा के कैलाश सोनकर विधायक हैं। जातिगत समीकरण : यादव व अनुसूचित जातियां करीब 60–60 हजार, ब्राह्मण 50 हजार, राजभर व पटेल 30–30 हजार, क्षत्रिय व मुस्लिम 20–20 हजार, मौर्य व वैश्य 15–15 हजार। जौनपुर (9 सीटें) शाहगंज : सपा के ललई यादव यहां से लगातार दूसरी बार विधायक हैं। जातिगत समीकरण : यादव 61 हजार, अनुसूचित जातियां 50 हजार, क्षत्रिय 40 हजार, बिंद 35 हजार, राजभर 33 हजार, मुस्लिम 30 हजार, ब्राह्मण 28 हजार, मौर्य व चौहान 13–13 हजार, पाल 10 हजार। मछलीशहर (सु.) : पूर्व मंत्री जगदीश सोनकर सपा से विधायक हैं। जातिगत समीकरण : अनुसूचित जातियां करीब 61 हजार, यादव 60 हजार, ब्राह्मण 50 हजार, मुस्लिम 31 हजार, क्षत्रिय 25 हजार, बिंद 22 हजार, वैश्य व मौर्य 17–17 हजार, पटेल 13 हजार, प्रजापति 10 हजार। जौनपुर सदर : मंत्री गिरीश चंद्र यादव यहां से विधायक हैं। जातिगत समीकरण : मुस्लिम करीब 90 हजार, अनुसूचित जातियां 50 हजार, वैश्य 40 हजार, मौर्य 37 हजार, यादव 33 हजार, बिंद 29 हजार, क्षत्रिय व राजभर 26–26 हजार, ब्राह्मण 22 हजार। बदलापुर : भाजपा के रमेशचंद्र मिश्रा विधायक हैं। जातिगत समीकरण : ब्राह्मण 70 हजार, यादव 55 हजार, अनुसूचित जातियां 50 हजार, क्षत्रिय 30 हजार, मौर्य, बिंद 18 हजार, वैश्य व मुस्लिम 17–17 हजार, चौहान 14 हजार। मड़ियाहूं : अपना दल (एस) की लीना तिवारी विधायक हैं। जातिगत समीकरण : पटेल करीब 55 हजार, ब्राह्मण व यादव 45–45 हजार, अनुसूचित जातियां 40 हजार, क्षत्रिय व मुस्लिम 30–30 हजार, मौर्य 10 हजार। जफराबाद : भाजपा के हरेंद्र प्रसाद सिंह विधायक हैं। जातिगत समीकरण : अनुसूचित जातियां करीब 68 हजार, ब्राह्मण 45 हजार, यादव 42 हजार, क्षत्रिय 37 हजार, पटेल 34 हजार, मुस्लिम 26 हजार, बिंद 25 हजार, राजभर 21 हजार, मौर्य 16 हजार, वैश्य व पाल 13–13 हजार। मुंगरा बादशाहपुर : बसपा की सुषमा पटेल विधायक हैं। जातिगत समीकरण : ब्राह्मण करीब 80 हजार, अनुसूचित जातियां 65 हजार, पटेल 60 हजार, यादव 40 हजार, क्षत्रिय 30 हजार, वैश्य 26 हजार, मुस्लिम 20 हजार, चौहान 15 हजार। मल्हनी : सपा के दिग्गज नेता पारसनाथ यादव के निधन से रिक्त हुई इस सीट पर 2020 में हुए मध्यावधि चुनाव में उनके पुत्र लकी यादव विधायक बने। जातिगत समीकरण : यादव करीब 90 हजार, अनुसूचित जातियां 60 हजार, क्षत्रिय 45 हजार, ब्राह्मण 35 हजार, क्षत्रिय 45 हजार, मुस्लिम 24 हजार, वैश्य व मौर्य 10–10 हजार। केराकत : भाजपा के दिनेश चौधरी विधायक हैं। जातिगत समीकरण : अनुसूचित जातियां करीब 1 लाख, यादव 50 हजार, क्षत्रिय 36 हजार, बिंद 35 हजार, ब्राह्मण व वैश्य 23–23 हजार, मुस्लिम 22 हजार, राजभर 19 हजार, मौर्य 18 हजार, चौहान 17 हजार, भूमिहार 13 हजार। गाजीपुर (कुल 7 सीट) मुहम्मदाबाद : पूर्व विधायक स्व. कृष्णानंद राय की पत्नी अलका राय भाजपा से विधायक हैं। मुख्तार अंसारी के बड़े भाई सिगबतुल्लाह अंसारी को हराकर इस सीट को वापस लिया है। जातिगत समीकरण : भूमिहार करीब 1 लाख, अनुसूचित जाति 85 हजार, यादव 48 हजार, कुशवाहा 25 हजार, राजभर 7 हजार, क्षत्रिय 6 हजार। सैदपुर (सुरक्षित) : सपा के सुभाष पासी जीते थे, लेकिन अब वह भाजपा में शामिल हो चुके हैं। जातिगत समीकरण : अनुसूचित जातियां 75 हजार, यादव 70 हजार, राजभर 33 हजार, मुस्लिम 26 हजार, कुशवाहा 22 हजार, क्षत्रिय 19 हजार, वैश्य 18 हजार, ब्राम्हण 17 हजार, चौहान 12 हजार, बिंद 11 हजार, पासी 10 हजार। जमानिया : इस सीट से भाजपा की सुनीता सिंह विधायक हैं। जातिगत समीकरण : अनुसूचित जातियां व मुस्लिम करीब 50–50 हजार, यादव व कुशवाहा 40–40 हजार, क्षत्रिय 30 हजार, ब्राह्मण 25 हजार। जंगीपुर : सपा के डॉ. वीरेंद्र यादव विधायक हैं। जातिगत समीकरण : यादव करीब 54 हजार, अनुसूचित जातियां 52 हजार, क्षत्रिय 47 हजार, वैश्य 20 हजार, राजभर 16 हजार, भूमिहार व मुस्लिम 12–12 हजार। जखनिया : सुभासपा के त्रिवेणी राम विधायक हैं। जातिगत समीकरण : अनुसूचित जातियां करीब 91 हजार, यादव 68 हजार, राजभर 48 हजार, चौहान 36 हजार, कुशवाहा 31 हजार, वैश्य 22 हजार, मुस्लिम 18 हजार, क्षत्रिय 16 हजार, ब्राह्मण 14 हजार। गाजीपुर सदर : भाजपा की डॉ. संगीता बलवंत विधायक हैं। जातिगत समीकरण : बिंद 38 हजार, वैश्य 37 हजार, यादव 35 हजार, मुस्लिम व अनुसूचित जातियां 32–32 हजार, क्षत्रिय 25 हजार, कुशवाहा व कायस्थ 23–23 हजार, भूमिहार 18 हजार, ब्राह्मण 17 हजार। जहूराबाद : सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर विधायक हैं। जातिगत समीकरण : अनुसूचित जातियां करीब 75 हजार, राजभर 66 हजार, यादव 43 हजार, चौहान 33 हजार, मुस्लिम 27 हजार, राजपूत 22 हजार, वैश्य 15 हजार, ब्राह्मण 14 हजार, भूमिहार 11 हजार, कुशवाहा 10 हजार। चंदौली (कुल सीट–4) मुगलसराय : भाजपा की साधना सिंह विधायक हैं। जातिगत समीकरण : ओबीसी व मुस्लिम करीब 80–80 हजार, अनुसूचित जातियां 60 हजार, ब्राह्मण 35 हजार, क्षत्रिय 32 हजार व वैश्य 22 हजार। सकलडीहा : सपा के प्रभुनारायण यादव विधायक हैं। जातिगत समीकरण : यादव करीब 72 हजार, अनुसूचित जातियां 50 हजार, राजभर 31 हजार, ब्राह्मण 27 हजार, क्षत्रिय 18 हजार, चौहान 17 हजार, वैश्य 12 हजार। सैयदराजा : भाजपा के सुशील सिंह विधायक हैं। जातिगत समीकरण : अनुसूचित जातियां करीब 65 हजार, क्षत्रिय 40 हजार, बिंद 35 हजार, मुस्लिम 27 हजार, ब्राह्मण, वैश्य व यादव 25–25 हजार, कुशवाहा 20 हजार, राजभर व निषाद 12–12 हजार। चकिया (सु) : भाजपा के शारदा प्रसाद विधायक हैं। जातिगत समीकरण : अनुसूचित जातियां करीब 68 हजार, यादव 52 हजार, मुस्लिम 32 हजार, ब्राह्मण 30 हजार, कुशवाहा 28 हजार, वनवासी व वैश्य 25–25 हजार।

कर्मचारियों की समस्याओं व मांग पर युद्धस्तर पर होगा कामः–ओम प्रकाश

सुलतानपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उप्र, द्वारा जनजागरण कार्यक्रम के अंतर्गत समस्त विभागों के कर्मचारी,पदाधिकारी तथा संबद्ध संगठनों ने एकत्रित होकर राज्य कल्याण संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष विनोद यादव की अध्यक्षता में जिला महिला चिकित्सालय के सभागार में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि प्रांतीय उपाध्यक्ष शेष नारायण मिश्र एवं मंडलीय अध्यक्ष ओम प्रकाश गौड ने अपने संबोधन से अवगत कराया की संयुक्त परिषद के प्रदेश अध्यक्ष जेएन तिवारी के नेतृत्व में कर्मचारियों की मांगों के संबंध में युद्धस्तर पर कार्य किया है। जिसके फलस्वरूप कर्मचारियों की कई महत्वपूर्ण मांगों पर निर्णय भी हुआ है। मंडलीय अध्यक्ष ओम प्रकाश गौड ने उपस्थित कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहाकि 14 नवंबर से मंडलीय

सम्मेलनों के माध्यम से जागरूकता अभियान एवं 24 दिसंबर को लखनऊ विधान सभा का घेराव करने का निर्णय लिया गया है। उक्त अवसर पर उपाध्यक्ष रामरतन, मंत्री कुसुम यादव, ध्रुवदेव मिश्र, राजीव त्रिपाठी, दिग्विजय पांडेय, देवेंद्र त्रिपाठी, शुभ राय, सरला सिंह, मो.शाहिद,पूनम श्रीवास्तव, सुनीता देवी आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश पर प्रश्नों का बोझ डाल रखा था पूर्व की सरकारों ने –सांसद राधामोहन सिंह

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री, सांसद और उत्तर प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह आज हरदोई में भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पार्टी संघठन की बैठक में पहुंचे। सभा को सम्बोधित करते हुए राधा मोहन सिंह ने कहा कि मोदी और योगी सरकार से पहले प्रदेश पर प्रश्नों की झड़ी लगी हुई थी। इन्ही प्रश्नों में सबसे पहला प्रश्न था गुंडा और मफियाराज? पहले हर एक गली का गुंडा होता था जिसके दर से महिलाएं घर से निकलने से डरती थी...खून खराबा होना आम बात थी. ..पर २०१७ में योगी सरकार बनने के बाद से ऐसे बहुत से प्रश्नों का समाधान हो गया.... कोरोना काल में सबसे जरूरी चीज निकल कर आई वह यह कि एन ६५ मास्क देश में बनता ही नहीं था जो प्रधान मंत्री ने अपने देश में बनवाना शुरू करवाया, पीपीई किट का निर्माण भारत में होना शुरू हुआ। दुर्भाग्य देखिए उत्तर प्रदेश का जहा पूर्वांचल के जिलों में अस्पताल तक की सुविधा नहीं थी वहा आज मेडिकल कॉलेज बन चुके है या निर्माण चल रहा है...। पूर्वांचल एक्सप्रेस एक बेहतर नमूना है विकास का जो दिल्ली और लखनऊ की दूरी को खत्म करेगा और विकास की गंगा बहेगी....प्रदेश और देश में सड़को का जाल बिछा दिया गया है। बिजली आपूर्ति में प्रदेश की भाजपा सरकार ने पिछले सरकारों पर लड़े प्रश्नों कि बिजली आती कम जाति ज्यादा है का समाधान निकाला और प्रदेश के गांव गांव तक २४ घंटे बिजली आपूर्ति में रिकॉर्ड बनाया। गांव गांव में लोगो को बिजली का कनेक्शन निशुल्क दिया। देश और प्रदेश में बैठे दो राजकुमार कोरोना काल में झांकने बाहर तक नहीं निकले। वही देश के प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री और गांव गांव के कार्य कर्ताओं ने जमीन पर निकल कर लोगो की मदद करी, जरूरतमंद लोगों तक दवाई और राशन पानी का बंदोबस्त किया। दोनो राजकुमारों ने ६००० हजार रुपए मिल रहे छोटे जोत के किसानों की गरीबी का मजाक उड़ाया. जब तक सत्ता में रहे गरीबी हटाने का नारा दिया पर उनकी हालत में सुधार लाने को कोई ठोस कार्रवाई नहीं

कर पाए और आज जब गरीब किसान अपने गरीबी से बाहर निकल रहा है तो उसका मजाक बनाया जा रहा है। इन राजकुमारो ने गरीबी हटाने के नारे बहुत लगाए पर निष्ठा अपने परिवार के प्रति थी.. कि कैसे उसे मजबूत करे... प्रधानमंत्री मोदी की गरीबी का मजाक बनाया गया पर आज उसी गरीब के बेटे ने गरीबों की सुध ली और देश को मजबूत बनाने का काम किया। आज विदेशों में हमारे देश और प्रधानमंत्री की साख बनी है. ..देश और राज्य को ऐसा नेतृत्व मिला है जो संपूर्ण रूप से अपने देश और प्रदेश के विकास में लगे है...२०१४, २०१७ और २०१६ में उत्तर प्रदेश के भाजपा संघठन के कार्यकर्ताओ ने अपनी एकता का परिचय दिया है जिसने विपक्ष को चुनावी में धूल चटा दी...पार्टी के सभी पदाधिकारियों कार्यकर्ताओ को ध्यान रखना है की पार्टी सर्वोपरि है व्यक्ति नहीं, चुनाव पार्टी और भाजपा का कमल चुनाव पर लड़ा जाएगा। मोदी सरकार के आने से पहले उत्तर प्रदेश को नगर निकाय में २ लाख ८० हजार करोड़ पांच साल में, वही मोदी जी के आने के बाद ७ लाख करोड़ का बजट मिला। अखलेश राज के कार्यकाल में भी इतना पैसा नहीं मिला। विपक्ष की पूर्व की १० साल की सरकारों के मुकाबले भाजपा सरकार के साढ़े चार साल में ही उतना अनाज खघ्रीद का काम हुआ। भाजपा आज इतिहास रच रही है, देश में एक मजबूत और बड़ी पार्टी बनी है और उसके कार्यकर्ता उतने ही समर्पित है। बैठक में जिला अध्यक्ष सौरभ मिश्र नीरज ने मुख्य अतिथि राधा मोहन सिंह का हरदोई पधारने पर आभार व्यक्त किया। बैठक में भाजपा के सभी विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र, संघठन पदाधिकारी एवं वरिष्ठ पधाधिकारी सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ब्लॉक स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता संपन्न

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : ब्लॉक स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता,रामलीला मैदान उधरनपुर में खण्ड शिक्षा अधिकारी शाहाबाद शशांक सिंह के निर्देशन में सम्पन्न हुई ।प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार न्याय पंचायत सकरौली, दूसरा पुरस्कार न्याय पंचायत हर्रई, तृतीय पुरस्कार न्याय पंचायत शाहपुर नाऊ को को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी शाहाबाद सौरभ दुबे एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी शशांक सिंह ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर किया ।इस अवसर पर ब्लॉक की सभी न्यायपंचायत स्तर पर विजयी टीमों ने प्रतिभाग किया । खो –खो जूनियर स्तर में खनिगवां खुर्द प्रथम,जटपुरा द्वितीय,प्राथमिक बालक हर्रई प्रथम, प्राथमिक बालिका रामपुर हृदय प्रथम, कबड्डी प्राथमिक बालक हर्रई प्रथम, शाहाबाद देहात द्वितीय स्थान पर रहे। गोला फेंक जूनियर बालक मोहित बासित नगर प्रथम, नितिन चंदपुर खैराई द्वितीय, कबड्डी प्राथमिक बालिका शाहपुरनाऊ प्रथम, हर्रई द्वितीय, गोला फेंक जूनियर बालिका शुभी सकरौली प्रथम, रागिनी शाहपुर नाऊ द्वितीय, फिदा हर्रई त्रतीय स्थान पर रहीं। रंगोली जूनियर बालिका परेली प्रथम नवीपुर

द्वितीय, जटपुरा तृतीय स्थान पर रहे। कबड्डी प्रतियोगिता में जूनियर बालक सकरौली प्रथम, चन्दूपुर खैराई द्वितीय,कबड्डी जूनियर बालिका अगमपुर प्रथम,हर्रई द्वितीय रहे। चक्का फेंक जूनियर बालक सुबेन्द्र बसितनगर प्रथम, राजबर्धन सकरौली द्वितीय, मो. आदिल हर्रई तृतीय, चक्का फेंक जूनियर रिया कछिलिया प्रथम, मोनिका सहादत नगर द्वितीय, अनिशा सकरौली तृतीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के जनपदीय महामन्त्री सन्तोष अग्निहोत्री, उपाध्यक्ष होरी लाल, सन्युक्त मन्त्री महावीर प्रसाद मिश्र,पातीराम,प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अनुराग अवस्थी,अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ प्रभाकर बाजपेयी, मन्त्री इमरान खान,समस्त संकुल शिक्षक, राजेन्द्र कुमार, तुसार बाथम, मन्त्री विजय राजपूत, रबी गुप्ता, कृष्ण गोविन्द दीक्षित,अमित मिश्रा सहित समस्त अनुदेशक,मंच संचालन मो. तैयब व ए आर पी अभिषेक मिश्र ने किया।

जपनीत सिंह और आकांक्षा पांडेय ने वृद्धाश्रम में दैनिक उपयोग की वस्तुएं बांटी

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान द्वारा संचालित तथा समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रायोजित वृद्धाश्रम, अल्लीपुर, हरदोई में आज जपनीत सिंह तथा सुश्री आकांक्षा पांडे द्वारा आश्रम में रहने वाले सभी संवासियों को दैनिक उपयोग की वस्तुएं मंजन, तेल ,साबुन इत्यादि का वितरण किया गया । इस अवसर पर श्री जपनीत सिंह ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा से हम सब लोगों का लोक और परलोक दोनों ही सार्थक हो जाते हैं । हम लोगों को प्रतिदिन अपने समय में से कुछ समय घर के बुजुर्गों के लिए अवश्य निकालना चाहिए क्योंकि उन्होंने वह समय दिया जिस समय वह अपने गोल्डन पीरियड में थे और कुछ कर सकते थे फिर भी उन्होंने आपके लिए समय निकाला और आप को इस काबिल बनाया। सुश्री आकांक्षा पांडे ने वृद्धों को संबोधित करते हुए कहा कि इस आश्रम में आकर हमने सुखद अनुभव किया यहां का घर जैसा वातावरण और सबका आपसी सामंजस्य देख कर मन हर्षित हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक पारुल गुप्ता ने किया । इस अवसर पर आश्रम के समस्त कार्यकर्ता मोनी,

मेघा, पूजा, सीता ,नैतिक इत्यादि के साथ में 115 की संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

4 किलोग्राम नाजायज गांजा के साथ तीन अभियुक्तों को थाना केराकत पुलिस ने किया गिरफ्तार

जौनपर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री अजय साहनी पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाना एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी केराकत के निकट पर्यवेक्षण एवं दिशा – निर्देशन में थाना केराकत कोतवाली जौनपुर पुलिस द्वारा प्र0नि0 केराकत के नेतृत्व में खर्गसेनपुर पुलिया के पास से अभि0 1– राजेन्द्र राजभर पुत्र स्व0 रामलखन राजभर 2– संदीप राजभर पुत्र पन्ना राजभर 3–विनोद राजभर पुत्र बंशराज राजभर निवासीगण रतनूपुर(विशुनपुर) थाना चंदवक जौनपुर को 4 कि0 ग्रा0 नाजायज गांजा के साथ दिनांक 07.12..2021 को रात्रि में गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर मु0अ0सं0 394/21 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट बनाम राजेन्द्र राजभर आदि 3 नफर उपरोक्त के पंजीकृत कर चालान माननीय न्यायालय किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त– 1– राजेन्द्र राजभर पुत्र स्व0 रामलखन राजभर नि0 रतनूपुर (विशुनपुर) थाना चंदवक जनपद जौनपुर। 2– संदीप राजभर पुत्र पन्ना राजभर नि0 रतनूपुर (विशुनपुर) थाना चंदवक जौनपुर । 3– विनोद राजभर पुत्र बंशराज राजभर नि0 रतनूपुर

(विशुनपुर) थाना चंदवक जौनपुर । बरामदगी का विवरणः– 1– 4 कि0 ग्रा0 नाजायज गांजा। 2– 250 रूपया नगद। गिरफ्तारी टीम– 1– प्र0नि0 लक्ष्मण पर्वत प्र0नि0 थाना केराकत जनपद जौनपुर । 2– उ0नि0 रामाश्रय यादव थाना केराकत जौनपुर । 3– हे0का0 नरेन्द्र मोहन सिंह थाना केराकत जनपद जौनपुर। 4– का0 अजय कुमांर सिंह थाना केराकत जनपद जौनपुर।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद का त्रैवार्षिक 24 से 26 दिसंबर तक

हरदोई ब्यूरा अम्बरीष कुमार सक्सेना : अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ सुशील चंद्र त्रिवेदी ''मधुपेश'' तथा प्रदेश महामंत्री श्री पवन पुत्र बादल ने संयुक्त प्रेस वार्ता में बताया कि अखिल भारतीय साहित्य परिषद का सोलहवा त्रैवार्षिक अधिवेशन हरदोई के अल्लीपुर में स्थित डॉ राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय में आगामी 24–25 26 दिसंबर को तय हुआ है अखिल भारतीय साहित्य परिषद ने सन् 1964 से लेकर अब तक लगातार हिंदी साहित्य के लिए और देश में जितनी भी बोलियां बोली जाती है उन सबके बीच में काम करने वाला एक अखिल भारतीय संगठन है और इसके कार्यकर्ता देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी है साहित्य परिषद भिन्न–भिन्न आयामों में काम करती है साथ ही साथ साहित्य के बीच में एक नई दिशा और दशा को स्थापित करने के लिए सतत् संलग्न है साहित्य परिषद में अब तक के राष्ट्रीय अध्यक्षों की लंबी श्रंखला रही है चाहे श्रद्धेय जैनेंद्र जी हो या पंडित सोहनलाल द्विवेदी हो आचार्य विद्यानिवास मिश्र हो मृदुला सिन्हा जी हो साथ ही प्रसिद्ध कथाकार बलवंत भाई जानी या त्रिभुवन नाथ शुक्ल हो एक लंबी श्रृंखला अपने अखिल भारतीय साहित्य परिषद में रही है इसके साथ ही हर 3 वर्ष में एक बार त्रैमासिक अधिवेशन होता है अखिल भारतीय साहित्य

परिषद के इतिहास में अभी तक जितने भी त्रैमासिक अधिवेशन हुए हैं वह सब महानगरो या शहरों में हुए हैं पहली बार अधि वेशन हरदोई के एक छोटे से गांव अलीपुर में डॉक्टर राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय में होने जा रहा है इस अधिवेशन में देश और विदेश से लगभग 1000 साहित्यकार भाग लेंगे और साथ ही कन्नड के प्रसिद्ध साहित्यकार भैरप्पाजी हो या उनके समकक्ष देश में जो भी साहित्यकार है वह सब के सब अधिवेशन में उपस्थित रहेंगे या हरदोई के लिए अत्यंत आनंद व गौरव की बात है कि देश और विदेश के सारे साहित्यकार एक साथ अल्लीपुर में उपस्थित होंगे आप सभी से अनुरोध आग्रह है कि इस अधिवेशन में आधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर साहित्य परिचर्चा का लाभ उठाएं। प्रेस वार्ता में अखिल भारतीय साहित्य परिषद के जिला अध्यक्ष डॉ बी एस पांडे, उपाध्यक्ष डा एनसी शुक्ला,श्री ईश्वर चन्द्र वर्मा जी , श्री गिरीश बाजपेई तथा अधिवेशन संयोजक डॉ शीर्षेन्दु शील ''विपिन'' उपस्थित रहे।

उप्र श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के मण्डल अध्यक्ष लक्ष्मीकान्त व जिलाध्यक्ष रीतेश मिश्रा बने

हरदोई ब्यूरा अम्बरीष कुमार सक्सेना : उप्र श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की बैठक आज हरदोई प्रेस क्लब के कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश त्रिवेदी की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई। बैठक मे यूनियन का विस्तार करते हुये लक्ष्मीकान्त तिवारी को मण्डल अध्यक्ष व राजेश को मण्डल महामंत्री के साथ हरदोई जिलाध्यक्ष के रूप मे रीतेश मिश्रा की ताजपोशी की गयी। बैठक मे उपस्थित पत्रकारो को सम्बोधित करते हुये प्रदेशाध्यक्ष डा.राजेश त्रिवेदी ने कहा कि वर्तमान परिवेश मे पत्रकारिता के क्षेत्र मे बडा बदलाव आ गया है। पहले कलम राजनीति की दिशा तय करती थी आज राजनीति कलम की दिशा तयकर रही है। यह केवल अभिव्यक्ति की आजादी पर प्रहार ही नही बल्कि लोकतन्त्र का कालापक्ष भी दर्शित हो रहा है। इससे बचने के लिये हम सभी पत्रकारों को एकजुट होकर मुकाबला करना होगा। प्रदेश महासचिव रमेश शंकर पाण्डेय ने कहा कि बर्तमान समय मे पत्रकारिता मीडिया हाउसेज, राजनेताओं व विभिन्न क्षेत्रों के माफियाओं के चंगुल मे फंसकर दम तोड रही है। इसे बचाने के लिये सभी पत्रकारों को एकजुट होकर कलम की धार को तेज कर इस त्रिगुट से संघर्ष करना होगा। प्रदेश सचिव लक्ष्मीकान्त पाठक ने सभी पत्रकारों से एक मंच पर एकजुट होकर पत्रकार की सुचिता बचाने का आवाहन किया। बैठक को सम्बोधित करते हुये मण्डल अध्यक्ष लक्ष्मीकांत तिवारी ने संगठन पर जोर देते हुये कहा कि सभी

पत्रकार साथियों को छोटे बडे का भेदभाव समाप्त कर एक मंच पर संगठित रहना चाहिए। मण्डल महासचिव राजेश कश्यप ने बिखरी पत्रकारिता को संगठित करने की बात कही। बैठक को सम्बोधित करते हुये प्रेस क्लब के अध्यक्ष हरिश्याम बाजपेयी ने कहा कि अब समय आ गया है कि सभी पत्रकारों को संगठित हो जाना चाहिए, तभी लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की रक्षा हो सकती है। हरदोई प्रेस क्लब सदैव पत्रकारों के लिये संघर्षरत है। बैठक को जिलाध्यक्ष रीतेश मिश्रा के अलावा वरिष्ठ पत्रकार रामप्रकाश त्रिपाठी ने भी सम्बोधित किया। इस मौके पर पत्रकार दिवाकर मिश्रा, आकाश शुक्ला, सौरभ त्रिपाठी, शरद द्विवेदी, बिशाल वाजपेयी, पुनीत मिश्रा, पियूष तिवारी, ज्ञानेश मिश्रा, दीपक त्रिपाठी, ललित पांडेय, कमलेश त्रिवेदी, पीडी गुप्ता, विनोद कुमार गुप्ता, सुनील कुमार, म्रत्तुन्जय शुक्ल समेत तमाम पत्रकार मौजूद रहे।

पुण्य तिथि पर याद किए गए पूर्व मुख्यमंत्री उप्र पं श्रीपति मिश्र : बांटा गया गरीबों को कंबल

जौनपर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सरपतहा थाना क्षेत्र सूरापुर के तवक्कलपुर नगरा स्थित पं श्रीपति मिश्र मैरिज लान प्रांगण में पूर्व मुख्यमंत्री उप्र पंडित श्रीपति मिश्र की अट्ठारहवीं पुण्यतिथि पर निराश्रित गरीबों को कंबल वितरण के साथ क्षेत्र के संभ्रांतजनो को सम्मानित किया गया। मानस मर्मज्ञ डाक्टर मदनमोहन मिश्रा,रामचंद्र मिश्रा,विनोद कुमार तिवारी,नरेन्द्र प्रताप सिंह, धर्मेंद्र पाठक, बृजेश जायसवाल, मदनलाल गुप्ता,डा. संत भारती आदि ने स्व. पंडित जी के चित्र पर माल्यार्पण किया ।उक्त अवसर पर अतिथियों ने पंडित जी को याद करते हुए कहा कि स्व. पंडित जी सादगी के प्रतीक थे उन्होंने हमेशा सकारात्मक राजनीति कर एक मिसाल कायम किया है जिसे हमें भी अमल में लाना चाहिए। कार्यक्रम आयोजक प्रमोद मिश्र ने आए हुए लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पिताजी के आदर्शों को आगे बढ़ाने का काम हमेशा करता रहुंगा। कार्यक्रम का संचालन

नरेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य,अधिवक्ता,अध्यापक व बुद्धिजीवी मौजूद रहे।

डॉ. ओ. पी. मिश्र लोकतंत्र कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बने

आर. एल. पाण्डेय लखनऊ. यूपी ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. ओ. पी. मिश्र को लोकतंत्र कांग्रेस पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. यह नियुक्ति तीन साल तक प्रभावी रहेगी.लोकतंत्र कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व रायपुर (छत्तीसगढ़) निवासी हरगुन मेघवानी ने लखनऊ के रहने वाले वरिष्ठ पत्रकार व पेशे से डाक्टर ओ. पी. मिश्र को भेजे नियुक्ति पत्र में उत्तर प्रदेश में लोकतंत्र कांग्रेस पार्टी के संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया है. डॉ. मिश्र ने लोकांपा के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मेघवानी ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है उसे पूरी ऊर्जा व ईमानदारी से पूरी करेंगे।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर सम्पन्न

आर एल पाण्डेय लखनऊ । फरमान नेचुरोपैथी क्लीनिक एवं योगा सेंटर द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति व योग के द्वारा जटिलतम व असाध्य रोगों का इलाज किया गया। फरमान नेचुरोपैथी क्लीनिक व योग सेंटर सेक्टर–एच, बसंत कुंज पावर हाउस चौराहा, दुबग्गा लखनऊ में निःशुल्क चिकित्सा शिविर में उपस्थित चिकित्सकों द्वारा असाध्य एवं जटिल रोगों वाले रोगियों का निःशुल्क इलाज व स्वास्थ्य लाभ के बारे में बताते हुए जागरूक किया गया। इस चिकित्सा शिविर के सफलतापूर्वक संचालन में मुख्य रूप से डॉक्टर एम०एच० सिद्दीकी, डॉक्टर ए०एच० सिद्दीकी,डॉक्टर अमन कुमार उपस्थित रहे।

थाना शाहगंज पुलिस ने धोखाधड़ी के 04 वांछित अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

जौनपर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री अजय साहनी पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज व प्रभारी निरीक्षक शाहगंज के कुशल पर्यवेक्षण में

आज दिनांक 08.12.2021 को थाना शाहगंज की पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 243/2021 धारा 419/ 420/ 467/ 468/ 471/427/120बी0 थाना शाहगंज जौनपुर से संबंधित 04 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारसुदा अभि0गण का नाम पताः– 1. महेन्द्र जायसवाल पुत्र प्रेमशंकर जायसवाल नि0 पुरानाचौक थाना शाहगंज जौनपुर । 2. धर्मेन्द्र जायसवाल पुत्र प्रेमशंकर जायसवाल नि0 ओमशांति गली पुरानी बाजार थाना शाहगंज जनपद जौनपुर। 3. योगेन्द्र जायसवाल पुत्र प्रेमशंकर जायसवाल नि0 अलीगंज पुरानी बाजार थाना शाहगंज जौनपुर । 4. रतन जायसवाल पुत्र प्रेमशंकर जायसवाल नि0 पुरानी बाजार थाना शाहगंज जौनपुर। गिरफ्तारी करने वाली टीमः– 1. व0उ0नि0 श्री जयप्रकाश यादव थाना शाहगंज जनपद जौनपुर । 2. हे0कां0 राजकुमार यादव, थाना शाहगंज जनपद जौनपुर । 3. का0 बिकेश चौहान थाना शाहगंज जनपद जौनपुर।

कुछ समय घर के बुजुर्गों के लिए अवश्य निकालना चाहिए

आर एल पाण्डेय लखनऊ। सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान द्वारा संचालित तथा समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रायोजित वृद्धाश्रम, अल्लीपुर, हरदोई में आज भी जपनीत सिंह तथा सुश्री आकांक्षा पांडे द्वारा आश्रम में रहने वाले सभी संवासियों को दैनिक उपयोग की वस्तुएं मंजन, तेल ,साबुन इत्यादि का वितरण किया गया । इस अवसर पर श्री जपनीत सिंह

ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा से हम सब लोगों का लोक और परलोक दोनों ही सार्थक हो जाते हैं । हम लोगों को प्रतिदिन अपने समय में से कुछ समय घर के बुजुर्गों के लिए अवश्य निकालना चाहिए क्योंकि उन्होंने वह समय दिया जिस समय वह अपने गोल्डन पीरियड में थे और कुछ कर सकते थे फिर भी उन्होंने आपके लिए समय निकाला और आप को इस काबिल बनाया। सुश्री आकांक्षा पांडे ने वृद्धों को संबोधित करते हुए कहा कि इस आश्रम में आकर हमने सुखद अनुभव किया यहां का घर जैसा वातावरण और सबका आपसी सामंजस्य देख कर मन हर्षित हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक पारुल गुप्ता ने किया । इस अवसर पर आश्रम के समस्त कार्यकर्ता मोनी, मेघा, पूजा, सीता ,नैतिक इत्यादि के साथ में 115 की संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

हरदोई के लिए अत्यंत आनंद व गौरव की बात है कि देश और विदेश के साहित्यकार एक साथ अल्लीपुर में उपस्थित होंगे

आर एल पाण्डेय लखनऊ। अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ सुशील चंद्र त्रिवेदी ''मधुपेश'' तथा प्रदेश महामंत्री पवन पुत्र बादल ने संयुक्त प्रेसवार्ता में बताया कि अखिल भारतीय साहित्य परिषद का सोलहवा त्रैवार्षिक अधिवेशन हरदोई के अल्लीपुर में स्थित डॉ राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय में आगामी 24–25 26 दिसंबर को तय हुआ है अखिल भारतीय साहित्य परिषद ने सन् 1964 से लेकर अब तक लगातार हिंदी साहित्य के लिए और देश में जितनी भी बोलियां बोली जाती है उन सबके बीच में काम करने वाला एक अखिल भारतीय संगठन है और इसके कार्यकर्ता देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी है साहित्य परिषद भिन्न–भिन्न आयामों में काम करती है साथ ही साथ साहित्य के बीच में एक नई दिशा और दशा को स्थापित करने के लिए सतत् संलग्न है साहित्य परिषद में अब तक के राष्ट्रीय अध्यक्षों की लंबी श्रंखला रही है चाहे श्रद्धेय जैनेंद्र जी हो या पंडित सोहनलाल द्विवेदी हो आचार्य विद्यानिवास मिश्र हो, मृदुला सिन्हा जी हो, साथ ही प्रसिद्ध कथाकार बलवंत भाई जानी या त्रिभुवन नाथ शुक्ल हो एक लंबी श्रृंखला अपने अखिल भारतीय साहित्य परिषद में रही है इसके साथ ही हर 3 वर्ष में एक बार त्रैमासिक अधिवेशन होता है अखिल भारतीय साहित्य परिषद के इतिहास में अभी तक जितने भी त्रैमासिक अधिवेशन हुए हैं वह सब

महानगरो या शहरों में हुए हैं। पहली बार अधिवेशन हरदोई के एक छोटे से गांव अल्लीपुर में डॉक्टर राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय में होने जा रहा है इस अधिवेशन में देश और विदेश से लगभग 1000 साहित्यकार भाग लेंगे और साथ ही कन्नड़ के प्रसिद्ध साहित्यकार भैरप्पाजी हो या उनके समकक्ष देश में जो भी साहित्यकार है वह सब के सब अधिवेशन में उपस्थित रहेंगे या हरदोई के लिए अत्यंत आनंद व गौरव की बात है कि देश और विदेश के सारे साहित्यकार एक साथ अल्लीपुर में उपस्थित होंगे आप सभी से अनुरोध आग्रह है कि इस अधिवेशन में आधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर साहित्य परिचर्चा का लाभ उठाएं। प्रेसवार्ता में अखिल भारतीय साहित्य परिषद के जिला अध्यक्ष डॉ बी एस पांडे, उपाध्यक्ष डा एनसी शुक्ला, ईश्वर चन्द्र वर्मा जी , गिरीश बाजपेई तथा अधिवेशन संयोजक डॉ शीर्षेन्दु शील ''विपिन'' उपस्थित रहे।

लखनऊ में 19 दिसंबर को होगा बिफा शो का आयोजन : सनी लियोन सहित जुटेंगे बॉलीवुड और भोजपुरी के दिग्गज कलाकार

आर एल पाण्डेय लखनऊः राज्य के कला संस्कृति को बढ़ावा देने एवं कलाकारों को सम्मानित करने के उद्देश्य से लखनऊ में भारत एंटरटेनमेंट फिल्म अवार्ड (बिफा) शो का आयोजन होने जा रहा है। यह कार्यक्रम आगामी 19 दिसंबर को शहर के प्रतिष्ठित संस्थान ला मार्टीनियर कॉलेज में होगा। उक्त बात की जानकारी बुधवार को लाट्र्स रोड स्थित होटल पी एस इंटरनेशनल में आयोजित प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए शो के आयोजनकर्ता दीपक ठाकुर राजीव रंजन और अभिलाष भट्ट ने कही। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन रॉय फिल्म एंड एंटरटेनमेंट बैनर तले एवं Shuga Devi Sita Ram Pranami trust के द्वारा होने जा रहा है। यह कार्यक्रम बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार रहे स्वर्गीय सुशांत सिंह राजपूत को समर्पित है क्यूंकि उनका सपना था बड़े फिल्म अवार्ड शो के तरह यूपी, बिहार में भी इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन हो जिसे अब उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से पूरा किया जा रहा है। वहीं अपने सम्बोधन में अन्य आयोजनकर्ता राजीव रंजन कुमार ने बताया कि इस अवार्ड शो में लगभग पूरी बॉलीवुड और भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े कलाकार मौजूद रहेंगे। इस शो में बॉलीवुड के कई गणमान्य कलाकारों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा और साथ ही साथ हमारी अपनी भाषा भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के समस्त ख्याति प्राप्त कलाकारों को भी पुरस्कृत एवं सम्मानित करना ही हमारा लक्ष्य है। बिफा यानी भारत इंटरटेनमेंट फिल्म अवार्ड के माध्यम से हम यह भी दर्शाने का प्रयास करेंगे की हमारी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री और उत्तर प्रदेश की अपनी संस्कृति कितनी धनी है। भोजपुरी भाषा को भी राष्ट्रीय एवं विश्व पटल पर अन्य भाषाओं जैसा सम्मान दिलाना भी हमारा उद्देश्य है। आयोजनकर्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में शो की शान बढ़ाने आ रहे हैं। बॉलीवुड के करिश्मा कपूर, करिश्मा तना, रवीना टंडन, सुनील शेट्टी, सनी

लियोनी, जरीन खान, राजपाल यादव, राजू श्रीवास्तव, महिमा चौधरी, अमीषा पटेल, बॉबी देओल, गुलशन ग्रोवर, रजा मुराद, अली खान, मुश्ताक खान, संजय मिश्रा, पंकज त्रिपाठी, मनोज वाजपेयी, पद्मश्री उदित नारायण, पद्मश्री शारदा सिन्हा, सुनील पाल, तुषार कपूर, शेखर सुमन,. और अन्य.. तथा इसके साथ ही भोजपुरी की शान सुपर स्टार कुणाल सिंह, दिनेश लाल यादव, रवि किशन, निरहुआ, खेसारी लाल यादव, पवन सिंह, रितेश पांडेय, अरविन्द अकेला कल्लू, चिंटू पांडेय, प्रमोद प्रेमी, समर सिंह, सीप्पी मह, राहुल श्रीवास्तव, मनोज टाइगर, अवधेश मिश्रा, प्रिंस सिंह, अक्षरा सिंह, आम्रपाली दूबे, पाखी हेगड़े,मोनालिसा, रानी चटर्जी, विनय बिहारी, तनुश्री, कल्पना सिंह, अलका झा, जितेंद्र झा, पद्मश्री मालिनी अवस्थी एवं अन्य कलाकार कार्यक्रम के दौरान फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े निर्माता, निर्देशक व संगीतकार भी मौजूद रहेंगे। शो के प्रसारण के लिए विशेष तौर पर एक ऐप भी बनाया गया है जिसके तहत इस कार्यक्रम को पूरी दुनिया में देखा जा सकेगा। साथ ही बिफा ने अपना एक वेबसाइट (http%//www.befa.com.in) भी बनाया है जिसके तहत लोग टिकट भी खरीद सकते हैं। इस शो के लेखक ख्यातिप्राप्त शो लेखक सिद्धार्थ डे, निर्देशक लोकेश भारद्वाज एवं कला निर्देशक अविरल शर्मा जी हैं। जबकि पूरे शो का छायांकन हरदीप सिंह रंधावा जी कर रहे हैं। अवार्ड शो का मंच संचालन विश्व विख्यात व्यंग्य कलाकार भारती सिंह एवं सुप्रसिद्ध गायक आदित्य नारायण जी के साथ अनिता भट्ट करेंगे और खास तड़का लगाएंगे भोजपुरी कलाकार यश कुमार और निधि झा ।

प्रियंका ने किया महिलाओं के लिए कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी, सरकारी नौकरियों में 40 फीसदी आरक्षण का वादा

आर एल पाण्डेय लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यूपी चुनाव 2022 के लिए महिलाओं के लिए अलग से घोषणा पत्र जारी किया है। इस मौके पर उन्होंने महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 40 फीसदी आरक्षण देने सहित कई बड़ी घोषणाएं की। इस मौके पर उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने ही देश को पहली महिला प्रधानमंत्री दिया। अब जरूरी है कि महिलाओं को राजनीति में भी हिस्सेदारी दी जाए। ये काम कांग्रेस पार्टी करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 40 प्रतिशत सीटों पर महिला उम्मीदवार उतारने का निर्णय लिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि एक दिन संसद व विधानसभाओं में महिलाओं की 50 फीसदी हिस्सेदारी होगी। प्रियंका गांधी ने कहा कि यह घोषणा पत्र कमरे में बैठकर तैयार नहीं किया गया है। यह पहल है। हर चीज का समय होता है। अब इसका वक्त आ गया है। अन्य दलों को भी इस पर निर्णय लेना चाहिए। महिलाएं आवाज उठा रही हैं। अपना हक मांग रही हैं। ये उसका प्रतिबिम्ब है। लड़कियों ने इस पर अच्छी प्रतिक्रिया दी है। इस मौके पर उन्होंने ये बड़ी घोषणाएं कीः– नई सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 40 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा।– आशा बहुओं और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को न्यूनतम 10 हजार रुपये वेतन दिया जाएगा।– पुलिस विभाग में 25 प्रतिशत महिलाओं को नौकरी दी जाएगी। हर थाने में महिला सिपाही की तैनाती की जाएगी।– सुरक्षा के विशेष अधिकार प्राप्त छह सदस्यीय आयोग का होगा गठन।– प्रदेश के 25 शहरों में अत्याधुनिक छात्रावास बनाए जाएंगे।– बीमारी के लिए 10 लाख रुपये तक की इलाज की व्यवस्था होगी।– राज्य भर में वीरांगनाओं के नाम प 75 दक्षता विद्यालय खोले जाएंगे।– 12वीं पास छात्राओं को स्मार्ट फोन दिया जाएगा व ग्रेजुएट छात्राओं को स्कूटी दी जाएगी।– पुलिस थानों में 25 प्रतिशत इंचार्ज सुनिश्चित किये जाएंगे।– गांवों में महिला चौपाल का निर्माण किया जाएगा।– परिवार में पैदा होने वाली बेटी के लिए एफडी व सांविधिक जमा बनवाया जाएगा।– महिलाओं को सरकारी बसों में फ्री यात्रा की अनुमति।– मनरेगा में महिलाओं को प्राथमिकता देंगे।– हर जिले में महिलाओं की सहायता के लिए तीन सदस्यीय मुफ्त कानूनी सहायता का एलान। सलाह के लिए कमेटी का गठन किया जाएगा।– प्रदेश में नए प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) खोले जाएंगे साथ ही सभी सीएचसी में महिलाओं के लिए अलग केंद्र खोले जाएंगे।– 50 प्रतिशत महिलाओं को रोजगार देने वाले उद्यम को कर में छूट मिलेगी।जब मैं 14 साल की थी तब से व्रत रख रही हूं। इस मौके पर एक सवाल के जवाब में प्रियंका गांधी ने कहा कि जब मैं 14 साल की थी तब से व्रत रख रही हूं। मुझे अपने धर्म के लिए योगी से प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है। वहीं, भाजपा के चुनाव के समय ही मंदिर जाने के आरोप पर उन्होंने कहा कि योगी को क्या मालूम कि मैं कौन से मंदिर जाती हूं। मुझे उनके प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है।

बीकापुर सर्किल में साइबर अपराधियों की सक्रियता से क्षेत्र के खाताधारक दिख रहे परेशान : नही कर रही पुलिस कार्यवाही

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) जिले के बीकापुर सर्किल क्षेत्र में साइबर अपराधियों की सक्रियता के चलते ताबड़तोड़ घटनाओं ने बैंक के खाताधारकों की नींद उड़ा दी है।वही खाताधारकों को मालूम नहीं चलता और उनके खाते की रकम साफ हो जाती है।जिसके चलते उनके चहरे पर साफ साफ चिंता की लकीरे दिखाई दे रही है और पुलिस हवा में तीर चला रही है।सूत्र के मुताबिक क्षेत्र में इस गिरोह के सदस्य खाता हैककर आधार कार्ड के जरिए, झांसा देकर एटीएम रूम में एटीएम कार्ड बदलकर और इन परिस्थितियों में यदि असफल हुए तो रास्ते में लूटपाट तक अंजाम दे रहे हैं।वही दुर्भाग्य है कि इस गिरोह के विरुद्ध कार्यवाही और घटनाओं रोकथाम के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया जा रहा है।पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का दिशा–निर्देश भी मातहत नहीं मान रहे हैं।भुक्तभोगी के मुताबिक बीकापुर सर्किल क्षेत्र के तारुन थाना क्षेत्र के रामपुरभगन पुलिस चौकी के अंतर्गत बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा रामपुरभगन से साइबर गिरोह ने तीन व चार दिसम्बर को बैंक ऑफ बड़ौदा की रामपुरभगन शाखा से संबंधित अलग–अलग चार खाताधारकों के खाते से बड़ी रकम निकाल ली।आरोप के मुताबिक इस प्रकरण में पुलिस क्षेत्राधिकारी सत्येंद्र भूषण तिवारी के हस्तक्षेप के बाद भी तारुन पुलिस ने मुकदमा नहीं दर्ज किया है।मालूम हो कि बीकापुर बार एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता सदानंद पाठक के बैंक खाते से दो दिनों में घ्20 हजार साइबर गिरोह के अज्ञात लोगों ने निकाल लिए। यह रकम बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा रामपुरभगन के बचत खाते से संबंधित है। स्थानीय तहसील क्षेत्र के अरुवावां निवासी सदानंद पाठक का रामपुरभगन बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा में बचत खाता संख्या 13980100020 807 है। इस बचत खाते में खाताधारक का आधारकार्ड भी एक्टिवेट है।वही बताया गया कि साइबर गिरोह के अज्ञात लोगों ने 3 दिसंबर को घ्10000 और 4 दिसंबर को पुनः सुबह करीब 8:00 घ्10 हजार निकाल लिए गए। बैंक खाते में मोबाइल नंबर फीड होने के बावजूद पहले दिन कोई मैसेज नहीं मिला था। दूसरे दिवस सुबह मैसेज आने के बाद उन्होंने बैंक से जब संपर्क किया तो पता चला कि दो दिनों में घ्20 हजार आधारकार्ड से निकाले गए हैं।इस मामले की शिकायत उन्होंने साइबर सेल, इलाकाई तारुन थाने की पुलिस और बीकापुर पुलिस क्षेत्राधिकारी से मिलकर दर्ज कराई है।श्री पाठक के अलावा तारुन थाना क्षेत्र के सतना निवासी अनिल कुमार पांडे पुत्र राधेश्याम पांडे के खाते से भी बीस हजार साइबर गिरोह ने निकाल लिया।इनका खाता भी बैंक ऑफ बड़ौदा रामपुरभगन में है। श्री पांडे रामपुर भागन में स्थित कृषक इंटर कॉलेज में तैनात हैं। इसके अलावा भी अन्य खाताधारकों के खाते से भी 20–20 हजार रूपए उसी तिथि पर निकाले गए हैं। भारतीय स्टेट बैंक बीकापुर की शाखा से संबंधित खाताधारक के खाते से भी बिना उसके जानकारी के आधार कार्ड के जरिए साइबर गिरोह ने रकम निकाल ली है।जबकि इसके पूर्व बीकापुर कोतवाली के चांदपुर निवासी वृद्ध रामयश पुत्र रामबदल के बैंक ऑफ बड़ौदा रामपुरभगन खाते से संबंधित घ्16 हजार एक सौ निकाली गई है। साइबर गिरोह द्वारा खाते से रकम निकाले जाने के मोबाइल मैसेज के बाद मुंबई से बीकापुर पहुंचा और पुलिस को कार्रवाई के लिए प्रार्थना पत्र दिया परंतु पुलिस में कोई कार्यवाही नहीं हुई है।इसके अलावा भी दर्जनों की तादाद में महिला–पुरुष बैंक खाताधारक बैंक खाते में रखी गई रकम बिना उनके जानकारी के निकाल लिए जाने को लेकर परेशान हैं। अपराधियों का मनोबल इस कदर बढ़ गया है कि पैसा निकाल कर ले जाते समय रास्ते में भी अब मारपीट कर पैसा लूट रहे हैं। यह घटना क्षेत्र के पातूपुर कोयलसा की है। उक्त गांव की लड़की बीकापुर कस्बे की जनसेवा पर पैसा जमा करने आई थी। पैसा नहीं जमा हुआ और वह रु 10 हजार लेकर वापस घर जा रही थी कि रास्ते में उसके साथ लूटपाट हुई।इस मामले में पीड़िता की मां साहिबा देवी पत्नी छबिलाल ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी।कुल मिलाकर क्षेत्र के एटीएम रूम, बैंक, बैंक फ्रेंचाइजी और जनसेवा इत्यादि स्थानों पर साइबर गिरोह के अपराधी बेधड़क सक्रिय है और वह बैंक खाताधारकों पर कहर बनकर टूट रहे हैं।वही पुलिस शिथिल दिखाई देती नजर आ रही है।

पत्नी द्वारा तलाक के लिए दिये जा रहे दबाव से अवसाद ग्रस्त होकर पति की मौत

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)जिले के कोतवाली बीकापुर जनपद अयोध्या के अंतर्गत ग्राम पंचायत रामनगर पूरे चौबे का पुरवा निवासी नानक चंद मिश्रा ने अपने छोटे पुत्र पंकज कुमार मिश्रा की 29 सितंबर को अवसाद ग्रस्त होकर हुई मृत्यु के जिम्मेदार मृतक की पत्नी रेनू मिश्रा एवं सास आशादेवी पत्नी कृष्ण कुमार मिश्रा व ससुर कृष्ण कुमार मिश्रा पुत्र स्व.कालिका प्रसाद मिश्र निवासी ग्राम रानी पुर, पो.–बलभद्र पुर, थाना– जामों, गौरीगंज, जनपद–अमेठी को मृतक के मोबाइल से प्राप्त व्हाट्सएप चौट एवं फोन काल रिकॉर्डिंग के आधार पर ठहराने का आरोप लगाया है।सूत्र के मुताबिक मृतक के पिता नानक चंद मिश्रा के बताया कि मृतक करीब सोलह वर्ष से दिल्ली में रहकर प्राइवेट नौकरी करता था।वही एक वर्ष पूर्व पत्नी एवं ससुर के लगातार अलग रहने के दबाव के चलते मृतक अपने परिवार से अलग होकर पत्नी एवं बच्चों को साथ दिल्ली में रखकर अपना जीवन यापन कर रहा था, मृतक के ससुर कृष्ण कुमार मिश्रा भी दिल्ली में ही प्राइवेट नौकरी करते थे एवं मृतक के आवास पर आते जाते रहते थे एवं मृतक का ही खाते पीते थे और मृतक का रूपया भी मृतक की पत्नी से ले लिया करते थे।मृतक का 80 हजार रुपए एवं प्राविडेंट फंड से मृतक द्वारा निकाले गए।आरोप के मुताबिक अग्रिम दो लाख दस हजार रुपए भी मृतक की पत्नी ने मृतक से बहाने से लेकर मृतक के सास ससुर को दिया था जिसमें से 80 हजार रुपए मृतक की सास ने अपने नाम बैंक में एफ.डी. करवाया गया है।जब मृतक ने रूपयों के बावत अपनी पत्नी से पूछताछ किया तो मृतक को उसकी पत्नी एवं ससुर ने मिलकर मारा–पीटा और तलाक देने के लिए दबाव देने लगे।वही मृतक के पिता नानक चंद मिश्रा भी दिल्ली में एक शिव मंदिर में रहकर बतौर पुजारी शिव जी की आराधना करते हैं। मृतक युवक रोज रोज की मारपीट और लड़ाई झगडे से आजिज आकर अपनी मृत्यु से एक माह पूर्व अपने पिता के पास मंदिर में आकर रहने लगा था। यहां पर भी मृतक को उसकी पत्नी लगातार व्हाट्सएप चौट एवं फोन काल द्वारा तलाक के लिए लगातार दबाव बना रही थी जिसकी वजह से मृतक अवसाद ग्रस्त हो गया।मृतक के पिता जब मंदिर की जिम्मेदारी और वृद्धावस्था की वजह से मृतक की देखभाल करने में असक्षम महसूस करने लगे तो यहां गांव में रह रहे अपने ज्येष्ठ पुत्र पवन मिश्रा को दिल्ली बुलाकर मृतक को बड़े पुत्र के साथ देखभाल एवं इलाज हेतु चौबे का पुरवा, रामनगर गांव भेज दिया । लेकिन सास, ससुर एवं पत्नी के द्वारा दिये गये मानसिक एवं शारीरिक यातनाओं की वजह से मृतक की हालत निरंतर बिगड़ती गई, 28 सितंबर को मृतक की स्थिति ज्यादा गंभीर होने पर मृतक के बड़े भाई ने मेडिकल कालेज दर्शन नगर (अयोध्या) में दाखिल करवाया, जहां पर इलाज के दौरान 29 सितंबर को पंकज मिश्रा की हृदय गति रुकने से मृत्यु हो गई।मृतक का मोबाइल फोन चेक करने पर जब सच्चाई का पता मृतक के पिता को चला तो मृतक के पिता ने 06 नवंबर को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या डाक रजिस्ट्री द्वारा लिखित सूचना देकर प्रकरण पर मुकदमा दर्ज करने हेतु निवेदन किया।किंतु वहां से सुनवाई न होता हुआ देखकर पिछले माह 23 नवंबर को अपर सिविल जज तृतीय के समक्ष वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या को दिये गये प्रार्थना पत्र की प्रति के साथ निवेदन किया जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है।

सैनिक परंपराओं के दिवस पर राह अभियान का हुआ शुभारम्भ

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) सैनिक परंपराओं के दिवस पर राह अभियान का शुभारम्भ जिलाधिकारी नितीश कुमार को ले0 कर्नल संजीव कुमार, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी द्वारा प्रतीक लगाकर किया गया। सैनिकों के मनोबत को ऊंचा रखने हेतु सभी देशवासियों की एकजुटता आवश्यक है। सभी कार्यालयाध्यक्षों/संस्था प्रभारियों को सम्बोधित पत्र के माध्यम से जिलाधिकारी ने सैनिकों के प्रति आदर, सम्मान एवं प्रदर्शित करते हुये सेवारत सैनिकोंध्मूतपूर्व सैनिकों तथा उनके परिवारों के कल्याणार्थ उदारतापूर्वक धन संग्रह अभियान में अपना सकिय योगदान प्रदान करने हेतु अपील की है। 12 जनवरी 1978 के शासनादेश का सन्दर्भ देते हुये अधिकाधिक धन संग्रह अभियान में उत्कृष्ट योगदान हेतु सरकारी सेवकों की गोपनीय प्रविष्टियों में प्रसंशात्मक प्रविष्टि करने का उल्लेख किया गया है। तक्रम में जिलाधिकारी महोदय द्वारा सर्वाधिक धन संग्रह करने वाले 10 विभागाध्यक्षों/संस्थानों के प्रभारियों को उत्कृष्ट योगदान हेतु क्रमशः सर्वश्री के0के0 लाल प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, सुनीता बाजपेयी, तत्कालीन उप निबंधक बीकापुर, इं0 डी0सी0 दीक्षित अधिशाषी अभियन्ता विद्युत वितरण प्रेषण खण्ड, अजय कुमार वर्मा, प्रधानाचार्य बाबूलाल पराग देवी पटेल गायत्री इं0का0 अलीगंज, अतुल चन्द्र द्विवेदी, जिला आबकारी अधिकारी, डी0एन0 सिंह प्रधानाचार्य, राजकीय इं0का0, श्रीमती शची मेहरोत्रा, प्रधानाचार्या राजकीय बालिका इं0का0, श्रीमती प्रज्ञा सिंह, प्रधानाचार्या आर्य कन्या इ0का0, अनीता कुमारी, उप निबंधक रूदौली एचं राजेश कुमार राय क्षेत्राधिकारी अयोध्या को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी व कर्मल राजीव कुमार ने बताया कि गत वर्ष रूपये 276712/– की धनराशि संग्रहीत की गयी है। विषम परिस्थितियों में हमारी सीमाओं के प्रहरी को सतत अहसास होना चाहिये कि देश का प्रत्येक नागरिक उनके साथ है और उनकी अभूतपूर्व कुर्बानियों का ऋणी है। सेना झण्डा दिवस धन संग्रह अभियान में संग्रहीत धनराशि युद्ध के समय हुयी जनहानि में सहयोग, सेना में कार्यरत सैनिकों एवं सेवानिवृत पूर्व सैनिकों और उनके परिवार के कल्याण हेतु किया जाता है। देश की सुरक्षा एवं संरक्षा हेतु आपसे अधिकाधिक धन संग्रह की अपील की जाती है। जनपद अयोध्या/फैजाबाद का देश की सुरक्षा सेनाओं में अतुलनीय योगदान रहा है और विभिन्न युद्धों में जनपद के 23 सपूत वीरगति को प्राप्त हुये। महामहिम राष्ट्रपति द्वारा अदम्य साहस एवं पराकम हेतु जनपद के 05 सैनिकोंध्सैन्य अधिकारियों को वीर चक्र/शौर्य चक्र तथा 07 सैनिकों/सैन्य अधिकारियों को वार टू सेना मेडलध्परम विशिष्ट सेवा मेडल/मेन्शन इन डिस्पैच पदक से सम्मानित किया गया है।

आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में बीडीओ ने उतारी भारत माता की आरती

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विकासखंड सोहावल क्षेत्र के प्रत्येक गांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा सचल वाहन पर भारत माता की फोटो लगाकर तथा वाद्य यंत्र बजाकर प्रत्येक गली व मोहल्लों में आम जनमानस व संभ्रांत व्यक्तियों द्वाराआरती उतारी जा रही है। इसी कड़ी में आज विकास खंड कार्यालय सोहावल के प्रांगण में आरती कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें खंड विकास अधिकारी रशेष गुप्ता, ब्लाक प्रमुख अनिल कुमार प्रियदर्शी तथा प्रमुख प्रतिनिधि सर्वेश सिंह चौहान द्वारा भारत माता की आरती उतारी गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बी डी ओ रशेष गुप्ता ने कहां की विदेशी आक्रांताओं के गिरफ्त से देश को आजाद कराने में भारतवर्ष के लाखों में युवकों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। इसी के बल पर देश आजाद हुआ है प्रत्येक गांव व मोहल्ले में भारत माता की आरती करके उन गुमनाम बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य मिंटू सिंह, सर्वेश सिंह चौहान, सुरेंद्र कुमार, विशाल कुमार, बलराम पाठके, राजकुमार त्यागी, सेक्रेटरी पंकज मिश्रा, सेक्रेटरी महानुभाव मिश्र सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

समाजसेवी परिषदीय स्कूल की शिक्षिका मिथिलेश ने जरूरतमंदों को कंबल वितरित कर किया सराहनीय कार्य

अयोध्या।(अमित कुमार मणि त्रिपाठी संवाददाता बीकापुर)जिले के तहसील बीकापुर में विकासखंड क्षेत्र के रुकनपुर पातूपुर निवासी परिषदीय स्कूल की अध्यापिका एवं समाज सेविका मिथिलेश पत्नी किशन कुमार द्वारा ग्राम पंचायत के जरूरतमंद गरीबों को ठंड से राहत प्रदान करने के लिए सराहनीय पहल की जा रही है।सूत्र के मुताबिक उन्होंने अपने आवास पर चिन्हित किए गए दर्जनों जरूरतमंद गरीबों को कंबल का वितरण किया।वही अध्यापिका मिथिलेश ने बताया कि बचपन से ही उनके भीतर जरूरतमंदों की मदद करने की भावना थी।वही लोगों के आशीर्वाद से परिषदीय स्कूल में शिक्षिका की नौकरी मिली।नौकरी मिलने के बाद जरूरतमंदों की मदद करने की और उम्मीद जगी।समाज सेवा के कार्य में उनके पति किशन कुमार और परिजनों द्वारा भी हौसला बढ़ाया जाता है।जरूरतमंदों की मदद करके काफी आत्म सुकून मिलता है।समाज के सक्षम लोगों को

जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आना चाहिए।उक्त शिक्षिका ने बताया कि आगे भी वह जरूरतमंदों की यथासभव मदद करती रहेंगी।वही कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्य राहुल दुबे, मेवालाल, फुलेसरा, श्याम बाबू, अमरनाथ आदि लोग मौजूद रहे।वहाँ पर मौजूद लोगों ने शिक्षकों द्वारा दिखाई जा रही मानवीय संवेदना और पहल की सराहना की गई।

दस दिसम्बर से रामायण मेले का आयोजन शुरु

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) विगत 40 वर्षो से अयोध्या में रामायण मेले का आयोजन होता है यह आयोजन रामायण मेला समिति एवं जिला प्रशासन के सहयोग से होता है इसके अध्यक्ष पूज्य महंत नृत्य गोपाल दास, महामंत्री वरिष्ठ पत्रकार शीतला सिंह जी, कोषाध्यक्ष दीपकृष्ण वर्मा जी और कार्यालय मंत्री नन्दकुमार मिश्र जी एवं संगठन मंत्री कमलेश सिंह जी आदि इसके मुख्य सहयोगी है। इस मेले का शुभारम्भ छोटी छावनी के पूज्य एवं मेला समिति के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी कमननयन दास, रसिद पीठाधीश्वर जनमेजय शरण, दिगम्बर अखाड़ा प्रमुख सुरेश दास, श्री रामाश्रमध्साधनाश्रम प्रमुख जयराम दास, हनुमानगढ़ी प्रसिद्ध सन्त बलरामदास, वरूण दास, रामलखनदास आदि प्रमुख रहे। कार्यक्रम का संचालन संत कमलेश दासध्पुरूषोत्तम दास जी द्वारा किया गया। यह मेला दिनांक 10 दिसम्बर 2012 तक चलेगा। इसमें आज मुख्य रूप से पूर्व सांसद डा0 निर्मल खत्री, राजा विमलेन्द्र मोहन प्रताप मिश्र, प्रभात शर्मा, शरद कुमार त्रिपाठी, जर्नादन उपाध्याय, उमेश चन्द्र श्रीवास्तव, श्री सूर्य नारायण सिंह के अलावा जिला प्रशासन की तरफ से डिप्टी कलेक्टर अनामिका श्रीवास्तव, उप निदेशक सूचना डा0 मुरली धर सिंह, ईडिस्टिक मैनेजर प्रिया मिश्रा सहित अन्य वरिष्ठ सहयोगी, पत्रकार गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस मेले में मुख्य रूप से आज रामलीला पखावज वादन, भजन, लोक गायन आदि कार्यक्रम हो रहे है तथा इस मेले में सभी कार्यक्रम प्रत्येक दिन 2 बजे से प्रारम्भ होते है तथा लगातार कार्यक्रम समाप्ति तक 8 से 9 बजे तक चलते रहते है। दिनांक 8 दिसम्बर 2021 को ऋषि कुमार द्वारा रामलीला, अजय मिश्र, सुश्री रंजना राय द्वारा लोक गायन, रामायण नृत्य नाटिका एवं अग्निहोत्री बंधु द्वारा भजन गायन भी होगा। 8 दिसम्बर 2021 को लगभग 3 बजे मण्डलायुक्त एम0पी0 अग्रवाल द्वारा संस्था द्वारा प्रकाशित स्मारिका का रामकथा पार्क में ही विमोचन किया जायेगा। सभी चारो दिवस के कार्यक्रमों में हमारे मीडिया बंधु आमंत्रित है तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग करें। इस कार्यक्रम में संस्कृति विभाग एवं सूचना विभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, कलाकारों द्वारा तथा विकास पर आधारित प्रदर्शनी भी लगायी जा रही है। मण्डलायुक्त ने सूचना एवं संस्कृति विभाग के स्थानीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस मेले को सफल बनाने हेतु समुचित कार्यवाही करें तथा आम जनमानस में इस मेले के आयोजन के बारे में जानकारी दें।

हल–बैल के पुराने दौर पर लौटी खेती : महंगाई से मजबूर किसान

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) रामनगरी में ग्रामीण क्षेत्र के किसान आज भी आधुनिक उपकरण उपलब्ध होने के बावजूद हल बैल से खेती करने की परंपरा को जीवंत रखे हुए है। खेती का उपकरण विकसित होने से हल बैल से खेतों की जुताई करने पर काफी प्रतिकूल असर पड़ा है। हल बैल से खेत जोतने में किसान को अधिक परिश्रम करना पड़ता था, वही समय भी ज्यादा लगता था। उपकरण उपलब्ध होने से किसान को समय और श्रम भी कम लग रहा है। उपकरण के माध्यम से किसान को लंबी खेती करने में काफी सहूलियत प्रदान हो रही है। छोटी खेती करने में आज भी हल बैल का किसान प्रयोग कर रहा है। हल बैल से खेती करने में किसान को कई फायदे भी है।शारीरिक श्रम होता है, बैलों का भी स्वास्थ्य ठीक रहता है। शारीरिक श्रम से किसान को कोई बड़ी बीमारी नहीं होता है। छोटे स्तर की खेती हल बैल से करने में किसान को आज भी फायदा है। जुताई करने में किसान को काफी सहूलियत होती है।नवसृजित नगर पंचायत कुमारगंज के बवां नेमा गांव निवासी किसान हरिनाथ यादव आज भी बैलों से ही खेती कर रहे हैं हरिनाथ यादव बताते हैं कि जब से मैं समझ रहा हूं बैलों को रख कर ही खेती कर रहा हूं इससे काफी लाभ मिल रहा है। बैलो को रखने से गोबर भी इकट्ठा हो जाता है जो देसी खाद का काम करती है जिस खेत में डाल दी जाती है। उस खेत में फसल की अधिक पैदावार होती है। हरिनाथ ने कहा कि सभी किसान भाइयों को चाहिए की एक जोड़ी बैल अपने घर पर रखे और खेती उन्हीं से करें। इससे क्या होगा छुट्टे मवेशियों से भी किसानों को निजात मिलेगी।

11 दिसम्बर 2021 को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं माननीय उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के पत्र संख्या– 253/SLSA/07/2021 03फरवरी 2021 के अनुपालन में 11दिसम्बर 2021 (दिन शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन ज्ञान प्रकाश तिवारी जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फैजाबाद की अध्यक्षता में एवं श्रीमती रिचा वर्मा, सचिव, जिला विधिक विधिक सेवा प्राधिकरण फैजाबाद के देख–रेख में जनपद न्यायालय परिसर, फैजाबाद में किया जा रहा है। जिसका व्यापक प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादो को आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित कराया जा सकता है। इसी अनुक्रम में 07दिसम्बर 2021 को मोटर दुर्घटना प्रतिकर न्यायाधिकरण फैजाबाद परिसर में समस्त बीमा कम्पनियों, उ०प्र० राज्य परिवहन निगम के अधिकारियों एवं अधिवक्तागण के साथ प्री–ट्रायल बैठक आहूत की गयी। बैठक में कुल 24 मुकदमों पर सुलहवार्ता की गयी। बैठक में कुल 4 वादों में प्रतिकर पर सुलहवार्ता की सहमति बनी है। राजपति बनाम राजेश जायसवाल में मु०2,95,000 रूपये, ननकू बनाम इफको टोकियों में मु०8,50,000 रूपये एवं प्राणपति बनाम न्यू इण्डिया में मु०3,94,000 रूपये एवं राम कुमार बनाम यूपी एस आर टी के दो मुकदमों पर भी सहमति बनी है। प्री–ट्रायल बैठक श्री भूदेव गौतम, माननीय पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना प्रतिकर न्यायाधिकरण फैजाबाद की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। प्री–ट्रायल बैठक में न्यू इण्डिया इन्श्योरेन्स कम्पनी के प्रबन्धक सूरज पाल सिंह, सहायक प्रबन्धक दुर्गेश कनोजिया एवं अधिवक्तागण में बब्बन प्रसाद चौबे, के०एन०मिश्र, ऋषि कुमार मिश्रा, पंकज कुमार मिश्रा, सुबीर कुमार द्विवेदी, राजीव कुमार श्रीवास्तव, जे०पी०सिंह, डी०डी०पाठक, राकेश चौरसिया, अशोक कुमार दूबे, रत्नेश सिंह, सुश्री अनीता पाठक, मयंक रंजन, राधा रमण सिंह, श्री रमेश कुमार पाण्डेय आदि उपस्थित रहे। आप सभी समस्त जनमानस से अनुरोध है कि अपने–अपने विवाद दिनांक 11 दिसम्बर 2021 (दिन शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत जनपद न्यायालय परिसर (कचेहरी) फैजाबाद में पहुँचकर निस्तारण करा सकते है। राष्ट्रीय लोक अदालत में वाद के निस्तारण के कई फायदे है–राष्ट्रीय लोक अदालत में विवाद आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण कराया जाता है, जिससे आपसी भाई–चारा कायम रहता है।

कोचिंग के लिए निकली युवती नहीं लौटी घर : फिर पुलिस ने किया सनसनीखेज खुलासा

मेरठ ब्यूरो : मेरठ से सटे हस्तिनापुर निवासी युवती सोमवार को अपने घर से कोचिंग के लिए निकली थी। शाम को वह घर नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता हुई। काफी तलाश किए जाने पर भी कोई सुराग नहीं लगा। परिजनों ने एसएसपी से अनहोनी की आशंका जताते हुए जांच की मांग की। एसएसपी के निर्देश पर पुलिस ने दबिश देकर तीन युवकों को हिरासत में ले लिया। पुलिस पूछताछ में सनसनीखेज खुलासा किया, जिसे जानकार परिजनों के होश उड़ गए। बताया गया कि चंद दिन पहले संदिग्ध परिस्थिति में युवती घर से लापता हो गई थी। युवती के परिजनों ने युवती के साथ अनहोनी की आशंका जाहिर करते हुए एसएसपी से गुहार लगाई। जिसके बाद मामले में एसएसपी के निर्देश पर पुलिस की टीम ने छापेमारी करते हुए मंगलवार देर रात तीन युवकों को हिरासत में लिया है। पुलिस पूछताछ में युवकों ने युवती की अपहरण के बाद हत्या कर शव जलाकर गंगा में फेंक देने की बात कही है। पुलिस शव की तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार युवती मवाना थानाक्षेत्र के गांव सैफपुर करमचंदपुर की है। वह क्षेत्र के ही एक विद्यालय में बीसीए की प्रथम वर्ष की छात्रा है। पुलिस के अनुसार युवती प्रशासनिक सेवा की तैयारी के लिए कस्बे में कोचिंग के लिए आती थी। 6 दिसंबर को परिजनों ने युवती की गुमशुदगी की तहरीर दी थी। लेकिन युवती का कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद अनहोनी की आशंका के चलते परिजनों ने मंगलवार को एसएसपी से भी गुहार लगाई थी। एसएसपी के निर्देश पर पुलिस टीम ने दबिश

देकर क्षेत्र के तीन युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि युवती की अपहरण के बाद हत्या कर शव का जला दिया गया। उन्होंने शव को गंगा में फेंकने की बात कही है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर युवती के शव की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार युवती की तलाश के लिए भीमकुंड गंगा घाट पर थाना पुलिस और गोताखोर लगाए गए हैं, जो गंगा में लगातार युवती की तलाश कर रहे हैं। आरोपियों ने युवती को मारने की बात स्वीकार की है लेकिन वह अभी पुलिस को स्पष्ट रूप से यह नहीं बता रहे हैं कि उन्होंने युवती की हत्या के बाद शव को कहां छुपाया। आसपास के क्षेत्र सहित गंगा में भी सर्च अभियान कर गोताखोरों की मदद से युवती की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि भीम नगर कॉलोनी निवासी एक युवक से युवती के प्रेम प्रसंक की बात भी सामने आई है। युवती प्रशासनिक सेवा की तैयारी के लिए कस्बे में कोचिंग के लिए आती थी। युवती की मां की मौत गंभीर बीमारी के चलते लगभग एक माह पूर्व हो गई थी। वह सोमवार को तकरीबन 11 बजे कोचिंग के लिए घर से निकली थी इसके बाद से वह घर नहीं लौटी।

जिलाधिकारी की विकास कार्यों की मासिक समिक्षा बैठक सम्पन्न

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) जिलाधिकारी नीतीश कुमार द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यो की मासिक समीक्षा की। इस बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के 08 माह व्यतीत हो चुके है, संबंधित विभाग के अधिकारी अपने–अपने विभागिय कार्यो को गुणवत्ता के साथ पूरा करे। इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अनीता यादव विकास संबंधी बिन्दुओ की बिन्दुवार समीक्षा की गई एवं जानकारी दी गई। इस बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि नहरो में सिल्ट सफाई का कार्य समय से पूर्ण हो तथा अंतिम छोर तक पानी पहुँचाने की कार्यवाही पूरी हो सके। आयुष्मान भारत के अन्तर्गत जो गोल्डन कार्ड बन रहे है उनको लाभार्थियो में जल्द वितरित किया जाये। प्रधानमंत्री आवास शहरी के लक्ष्य 12274 के सापेक्ष 12145 की प्रथम किस्त जारी हो चुकी है तथा 5270 के कार्य पूर्ण हो चुके है तथा शेष आवास के कार्यो को पूर्ण करने के निर्देश दिये गये है। उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर अनूप शुक्ला को बिना सूचना के अनुपस्थित पाये जाने पर प्रतिकूल प्रवृष्टि के निर्देश दिये गये। सीएससी सुनवा को 31 दिसम्बर तक कार्यपूर्ण करने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यो की गुणवत्ता पर सभी विभागीय अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओ के अधिकारी विशेष ध्यान दे कि किसी भी स्तर पर भी अनिमित्ता पाये जाने पर संबंधित पर होगी कड़ी कार्यवाही। सरकारी देयो की वसूली पर विशेष ध्यान देने को कहा और शिफ्ट होने वाले विद्युत पोलो को मार्गो के किनारे अंतिम सीमा पर ही शिफ्ट करने के निर्देश एक्सईएन विद्युत को दिये गये। 50 लाख से ऊपर के निर्माण कार्यो की भी समीक्षा की गई व मुख्यमंत्री जी के घोषणा से संबंधित कार्यो की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने इसके अतिरिक्त टेनिंग इन्सट्यूट दिसम्बर तक प्रत्येक दशा में पूर्ण करने के निर्देश दिये, देवगॉव में 50 शैय्या हास्पिटल को भी इसी माह मे पूर्ण करने के निर्देश दिये। मेडिकल कालेज में निर्माणाधीन भवन को मार्च 22 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये और कस्तूरबा गॉधी विद्यालयों के निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए कार्य को समय से पूर्ण कराने को कहा इसके अलावा जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यो को पूरी गुणवत्ता के साथ निर्धारित समायान्तर्गत पूर्ण करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियो का समबद्धता के साथ कार्य पूर्ण के निर्देश दिये। इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अनीता यादव, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अजय रजा, परियोजना निदेशक आरपी सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी धीरेन्द्र यादव सहित विकास विभाग के जनपदीय अधिकारी/प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सम्पादक मंडल
पं लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107
स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002
RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।